RNI No. 62592/95
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 31 अंक : 47 सोमवार 17 से 23 फरवरी, 2025 पृष्ठः 8 मूल्य : ₹3/=

हिंडन श्मशान घाट का होगा आधुनिकीकरण... ...2

दुनिया के भविष्य के केंद्र में भारत, कई मामलों में अग्रणी भूमिका निभा रहा: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया के भविष्य के बारे में चल रही चचाओं के केंद्र में है। यही नहीं, कई मामलों में तो वह अग्रणी भूमिका तक निभा रहा। पीएम मोदी ने शनिवार को एक कार्यक्रम में यह बात कही। पीएम मोदी ने कहा, मैं एक दिन पहले ही अमेरिका और फ्रांस की अपनी यात्रा से लौटा हूं। आज दुनिया के बड़े-बड़े देश और मंच भारत के प्रति जिस आत्मविश्वास से भरे हुए हैं, वह पहले कभी नहीं था। यह भावना हाल ही में फ्रांस में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एक्शन शिखर सम्मेलन में चर्चा के दौरान स्पष्ट हुई। भारत दुनिया के भविष्य की चचाओं के केंद्र में रहने के साथ-साथ कई मामलों में शीर्ष भूमिका भी निभा रहा है। पीएम मोदी ने कहा, आप विकसित भारत के विकास की गति देख रहे हैं। सिर्फ एक दशक में भारत दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। अगले कुछ वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। पीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, 2014 में उनकी सरकार वर्ष 2044 तक भारत को 11वीं बड़ी अर्थव्यवस्था से दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रही थी।

2014 में आशीर्वाद न मिलता तो बदलाव की क्रांति शुरू नहीं होती

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, पिछली सरकार ने सुधार लाने से परहेज किया। वे जितने भी सुधारों की बात कर रहे हैं, वे मजबूरी में किए गए थे, दृढ़ विश्वास से नहीं। देश में अभी जो सुधार हो रहे हैं, वे दृढ़ विश्वास से किए जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, मुझे कभी-कभी आश्चर्य होता है कि अगर 2014 में देशवासियों ने हमें आशीर्वाद नहीं दिया होता, तो क्या होता। बदलाव की नई क्रांति शुरू नहीं होती। देश तो पहले भी चल रहा था। कांग्रेस की विकास की रफ्तार और कांग्रेस की भ्रष्टाचार की रफ्तार, अगर चलती रहती, तो क्या होता। देश यह सब देख रहा था। अगर वही रफ्तार जारी रहता, तो क्या होता। देश का एक महत्वपूर्ण समय बर्बाद हो जाता। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, पिछली बार जब मैं यहां आया था, तब देश में आम चुनाव होने वाले थे। तब मैंने कहा था कि हमारे तीसरे कार्यकाल में भारत नई गति से काम करेगा।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन भगदड़ के पीड़ितों को मिलेगा मुआवजा, रेलवे ने किया एलान

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बीती शनिवार रात हुए हादसे में 18 लोगों की मौत हो चुकी है। घटना में मृतकों और घायलों के परिजनों के लिए मुआवजे का एलान कर दिया गया है। आज सवेरे दिल्ली पुलिस ने बताया कि हादसे में 18 लोग मारे गये हैं। बीती रात को ही पूरे रेलवे स्टेशन परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया।

मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे का एलान

रेलवे की ओर से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की घटना में घायल और मृतकों के लिए मुआवजे का एलान हो चुका है। मृतकों के परिजनों को 10 लाख का मुआवजा दिया जाएगा। वहीं गंभीर रूप से घायल लोगों को 2.5 लाख रुपये और मामूली रूप से घायल लोगों को एक लाख का मुआवजा दिया जाएगा।

शवों के आज होंगे पोस्टमार्टम

वही अन्य डॉक्टर ने बताया कि अस्पताल में आए शव के पोस्टमार्टम आज होंगे। उन्हें पुलिस के तरफ से बताया गया है कि 9 शव के पोस्टमार्टम लोकनायक में होने है और 6 शव के पोस्टमार्टम राम मनोहर लोहिया अस्पताल में होंगे।

रेल मंत्री ने दिए पीड़ितों की हरसंभव सहायता के निर्देश

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे के संबंध में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व अन्य संबंधित अधिकारियों से बात की। दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली पुलिस कमिश्नर से बात कर सभी को हर संभव सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि घायलों को हर संभव उपचार दिया जा रहा है।

उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्वीट किया, 'नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण भगदड़ से बहुत दुख हुआ। मेरी प्रार्थना उन सभी लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। पूरी टीम इस दुखद घटना से प्रभावित सभी लोगों की सहायता के लिए काम कर रही है।'

चौंकाने वाली है घटना : गडकरी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, 'नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई घटना चौंकाने वाली है। भगदड़ में लोगों की मौत से मैं बहुत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।'

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुआ दर्दनाक हादसे को लेकर दिल्ली पुलिस व रेल प्रशासन आमने-सामने आ गया है। देर रात हादसे की वजह भी सामने आ गई। प्रयागराज जाने वाले दो ट्रेन पहले से लेट थीं। इन ट्रेनों के यात्री प्लेटफार्म नंबर-14 पर इंतजार कर रहे थे। तभी रेल प्रशासन ने प्रयागराज के नई दिल्ली जाने की एनांउमेंट कर दी। एनांउसमेंट होते ही यात्री प्लेटफार्म नंबर 14 से 16 की तरफ भागने लगे।

प्रलय की प्रतीक्षा न करें, धरती को अभी से हराभरा बनाएं: सीएम योगी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुम्भ की आस्था और जलवायु परिवर्तन से संबंधित जलवायु सम्मेलन का किया शुभारंभ
- सीएम बोले- जीव और जंतुओं का जीवन चक्र मनुष्य के साथ जुड़ा हुआ, उनका अस्तित्व रहेगा तभी मनुष्य का अस्तित्व रहेगा

महाकुम्भ नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रयागराज महाकुम्भ में कुम्भ की आस्था और जलवायु परिवर्तन विषयक जलवायु सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मनुष्य ही केवल इस सृष्टि का एकमात्र जीव नहीं है। जीव जंतुओं का जीवन चक्र मनुष्य के साथ और मनुष्य का जीवन चक्र उनके साथ जुड़ा हुआ है। उनका अस्तित्व रहेगा तो हमारा भी अस्तित्व रहेगा और यदि उन पर संकट आएगा तो हमारे अस्तित्व पर भी संकट आएगा। उन्होंने कहा कि हम प्रलय की प्रतीक्षा ना करें, बल्कि अभी से धरती को हरा भरा बनाएं। कुम्भ का भी यही संदेश है। हम सबको आस्था के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के कारकों पर भी विचार करते हुए उसके निवारण का उपाय करना होगा। उन्होंने कहा कि जीव सृष्टि और जंतु सृष्टि के संरक्षण के साथ ही मानव सृष्टि की सुरक्षा और संरक्षण हो पाएगा। इस दौरान सीएम योगी ने दिल्ली में हुई घटना पर अफसोस जताते हुए सभी पुण्य आत्माओं के प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

श्रद्धालु पार्किंग में खड़े करें वाहन

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के परिप्रेक्ष्य में जब जलवायु परिवर्तन की बात करते हैं तो एक-दूसरे पर दोषारोपण होने लगता है। यही स्थिति महाकुम्भ में भी देखने को मिल रही है. एरियल सर्वे में देख रहा था कि पार्किंग की जगह खाली है, लेकिन हर व्यक्ति सड़क पर अपनी गाड़ी खड़ी करके संगम स्नान को जा रहा है। अगर वही व्यक्ति पार्किंग के स्थान पर अपना वाहन पार्क करे तो हो सकता है कि उसे 100 मीटर ज्यादा पैदल चलना पड़े, लेकिन सड़क पर कहीं जाम नहीं होगा और आसानी से वह संगम में स्नान कर सकेगा। उन्होंने कहा कि इस जलवायु परिवर्तन से बचने के लिए हम सब कहां भागीदार हैं, इसके बारे में चिंतन करना और उसे अपने व्यवहारिक जीवन में उतारना, यह सचमुच महाकुम्भ का हिस्सा बनना चाहिए।

जलवायु परिवर्तन के कारण सूख रहीं नदियां

सीएम योगी ने कहा कि 13 जनवरी से लेकर 16 फरवरी के बीच 52 करोड़ श्रद्धालु मां गंगा, यमुना और मां सरस्वती की इस पावन त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। 52 करोड़ लोग तब यहां डुबकी लगा पा रहे हैं, जब मां गंगा, यमुना और मां सरस्वती की कृपा से यहां अविरल जल उन्हें मिल पा रहा है। जो भी यहां डुबकी लगा रहा है उसे आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव मिल रहा है। इस अनुभव को जब वह अपने गांव में और आसपास के क्षेत्र में साझा कर रहा है, तभी वहां से बड़े पैमाने पर श्रद्धालु यहां आकर इस पूरे आयोजन को सफलता की नई ऊंचाई तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सबको सोचना होगा की कार्बन उत्सर्जन और पर्यावरण के प्रदूषण का कारण जलवायु परिवर्तन है। जलवायु परिवर्तन का ही कारण है कि धरती माता की धमनियों के रूप में जिन नदियों को अविरल बहना चाहिए था वह सूखती जा रही हैं। अनुमान कीजिए, अगर शरीर की रक्त धमनियां सूख गई तो शरीर की स्थिति क्या होगी। अगर धरती माता की धमनियां सूख गईं या प्रदूषित हो गई तो जिन धमनियों से रक्त का प्रवाह होना चाहिए उसकी क्या स्थिति होगी।

आचार्य अवधेशानंद गिरि ने कहा- इतने श्रद्धालु, इतनी विराटता... अब तो सनातन कुंभ कहिए

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भ नगर। हम भारत के लोग भावनात्मक रूप में जीते हैं। जिस तरीके से श्रद्धालु इस महाकुंभ में आ रहे हैं, मुझे तो लगता है कि महाकुंभ भी इसके लिए छोटा शब्द है। इसे विराट, अनंत या फिर सनातन कुंभ कहना चाहिए। यह कहना है देश के सबसे बड़े पंच दशनाम जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि का।

इस देश में खेल का कुंभ, किसान का कुंभ, विद्यार्थियों का भी कुंभ लगता है। कुंभ का आशय विशालता से है। विराटता से है। हम भारत के लोग भावनात्मक रूप में जीते हैं। जिस तरीके से श्रद्धालु इस महाकुंभ में आ रहे हैं, मुझे तो लगता है कि महाकुंभ भी इसके लिए छोटा शब्द है। इसे विराट, अनंत या फिर सनातन कुंभ कहना चाहिए। यह कहना है देश के सबसे बड़े पंच दशनाम जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि का।

महाकुंभ को लेकर बड़ी भ्रांतियां हैं। कोई कुंभ कह रहा है, तो कोई महाकुंभ। 144 बाद के योग का भी जिक्र आता है। आप क्या मानते हैं?

कुंभ का आशय विशालता से है। विराटता से है। हम भारत के लोग हर चीज को भावनात्मक तरीके से जीते हैं। इस दृष्टि से तो हमने अर्द्धकुंभ को भी कुंभ कहा था। जब बहुत विशाल आयोजन होते हैं, तो ऐसे भावनात्मक शब्द कहे ही जाते हैं। हो सकता है 144 साल बाद कोई सुयोग बना हो। जिसके कारण महाकुंभ कहा गया। महाकुंभ में 50 करोड़ से अधिक लोग आ चुके हैं। इतने लोगों के लिए तो महाकुंभ भी छोटा शब्द है। इसे विराट कहें, अनंत कहें या सनातन कुंभ कहें।

50 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं, कैसे देखते हैं आप ?

हमारी चीजें सब अनंत हैं। सब अजेय हैं। प्राचीन हैं। हम लोग शाश्वत हैं। सनातन हैं। चिर काल से हैं। हमारे संस्कार पुरातन हैं। कुंभ आज का तो है नहीं, यह तो सतयुग के समय से है। जब समुद्र का मंथन हुआ और देवताओं और असुरों के बीच हुए युद्ध में अमृत की बूंदें प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में गिरीं, तब से कुंभ है। हमारे सनातन के प्रतिमान विराट और महनीय हैं। यह सनातन धर्म है कि हर कोई यहां चला आ रहा है।

कुंभ की स्वीकार्यता को आप कैसे देखते हैं ?

आप कल्पना करके देखो, इस महाकुंभ की कितनी स्वीकार्यता है। जो नहीं आ सके, वह भी इसके सहभागी हैं। कुंभ की विश्वव्यापी स्वीकार्यता है। यूनेस्को ने कुंभ को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में शामिल किया है। इसलिए यह सिर्फ भारत का ही कुंभ नहीं है। यह मानवता का कुंभ है। मनुष्यों का इससे बड़ा मिलन कोई और नहीं हो सकता है, जो यहां होता है। और यह अब से नहीं, कब से हो रहा है। न जाति का बंधन है, न संप्रदाय का। कोई जाति नहीं पूछ रहा है। सामाजिक समरसता, अनेकता में एकता के दर्शन यहां हो रहे हैं। इसके लिए मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देता हूं कि उनके प्रयास से इतना अच्छा महाकुंभ संपन्न हो रहा है।

हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा चल रही है, क्या कहेंगे आप ?

प्रकृति और परमात्मा ने, नियंता और नियति ने, विधि और व्यवस्था ने अलग-अलग लोगों में अनेक क्षमताएं दी हैं। हमारा जीवन संभावनाओं से भरा है। अंतहीन संभावनाओं से भरा है। उन संभावनाओं को साकार करने के लिए जन्म से ही हमारे पास ऊर्जा, योग्यता, पात्रता और विचार हैं। ये सभी तत्व सफलता हासिल करने में मदद करते हैं। इसलिए जो अच्छी बातें हमारे पास हैं, उनका लाभ लेना सभी को सीखना चाहिए।

संगम स्नान के लिए पहले घर के बुजुर्ग आते थे, इस बार महाकुंभ में युवाओं की संख्या बहुत ज्यादा है। इस बदलाव को कैसे देखते हैं ?

आज का युवा बेहद सचेत है। महाकुंभ में आए युवाओं में हमने सत्य को जानने की प्यास देखी है। इस कुंभ में न केवल भारतीयों में आकर्षण है, बल्कि विदेशों में भी इसको लेकर काफी आकर्षण है। इस बार विदेशी श्रद्धालुओं में यहां के योग, आयुर्वेद, उपनिषदों के प्रति उनका आकर्षण दिखा। इन स्थितियों को देखकर मैं ऐसा कह सकता हूं कि सनातन का जो सूर्य है, उसका प्रकाश, ओजस पूरे विश्व में फैल रहा है।

युवा वर्ग जल, अग्नि, वायु, निहारिका-नक्षत्र हैं, उस संस्कृति का मर्म जानना चाहता है। एक ब्रह्म सर्वत्र विस्तृत है। यहां एकत्व दिखाई दे रहा है। युवा भारतीयों को इसके बारे में जानने की उत्कंठा हमने महाकुंभ में देखी है।

EASY | SOLAR®

आज ही सब्सिडी का लाभ उठाए

संयंत्र की क्षमता	केन्द्र सरकार का अनुदान (रु.)	राज्य सरकार का अनुदान (रु.)	कुल अनुमन्य अनुदान (रु.)	संयंत्र की अनुमानित लागत (रु.)	उपभोक्ता का प्रभावी अंशदान (रु.)
3KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹180000	₹72000
5KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹275000	₹167000
8KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹400000	₹292000
10KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹500000	₹392000

बहेतर कल के लिए
ईजी सोलर के साथ कदम बढ़ाए।

@ 7%* Rate of Interest P.A
Subsidy From Government

1800 313 333 333
www.easysolarsolutions.com

क्रॉसिंग रिपब्लिक में निगम की भूमि पर अतिक्रमण, महापौर ने दिए तत्काल खाली कराने के निर्देश

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। विजय नगर स्थित क्रॉसिंग रिपब्लिक में नगर निगम की करीब 50-60 हजार वर्ग मीटर भूमि पर भूमाफियाओं की नजर बनी हुई है। महापौर सुनीता दयाल ने शनिवार को फिर निरीक्षण कर मुख्य अभियंता एनके चौधरी, संपत्ति अधीक्षक राम शंकर वर्मा, लेखपाल कौशिक और अवर अभियंता एसके सरोज के साथ मौके पर हालात का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान नगर निगम की भूमि पर अवैध रूप से झुग्गी-झोपड़ी और पशुपालन पाया गया, जिस पर महापौर ने तुरंत अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। नगर निगम की भूमि पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, और निगम की आय बढ़ाने के लिए नई योजनाएं तैयार की जा रही हैं। सभी अधिकारी और पार्षद इस कार्य में सहयोग कर रहे हैं।

महापौर सुनीता दयाल ने बताया नगर निगम की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा स्वीकार नहीं किया जाएगा। हमने मौके पर निरीक्षण कर पाया कि कुछ स्थानों पर झुग्गी-झोपड़ी और पशुपालन हो रहा है, जिसे तुरंत हटाने के निर्देश दिए गए हैं। निगम की जमीन को सुरक्षित रखना हमारी प्राथमिकता है।

हमारी योजना है कि नगर निगम की बिखरी हुई भूमि को मुख्य मार्ग पर एकत्र किया जाए, ताकि इसे उपयोग में लाया जा सके और निगम की आय में वृद्धि हो। भविष्य में यहां बैंकेट हॉल, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, व्यावसायिक भवन और अन्य सुविधाएं विकसित करने की योजना है। अधिकारी और पार्षद भी इसमें पूरा सहयोग कर रहे हैं, और हम सुनिश्चित करेंगे कि नगर निगम की किसी भी संपत्ति पर अवैध कब्जा न होने पाए।

- महापौर सुनीता दयाल ने मौके पर किया निरीक्षण, भूमि संरक्षण के लिए बनाई नई योजना

भूमि संरक्षण और विकास की योजना

- नगर निगम की जमीन को टुकड़ों में बंटने से बचाने के लिए इसे मुख्य मार्ग पर एकत्र करने की योजना बनाई गई है।
- भविष्य में यहां बैंकेट हॉल, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, व्यावसायिक भवन और स्विमिंग पूल जैसे प्रोजेक्ट विकसित किए जाएंगे, जिससे नगर निगम की आय में वृद्धि होगी।
- महापौर और नगर आयुक्त द्वारा भूमि संरक्षण के लिए निरंतर निगरानी और कार्रवाई जारी है।
- नगर निगम की भूमि बचाने और आय बढ़ाने के लिए जल्द ही ठोस कदम उठाए जाएंगे।

जीडीए द्वारा प्रस्तावित हम तुम रोड एवं बंधा रोड से नूर नगर को जोड़ने वाली सड़क निर्माण प्रक्रिया में तेजी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा शहर के यातायात को सुगम बनाने एवं क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जोन-1 के जोनल प्लान के अनुसार प्रस्तावित हम तुम रोड एवं बंधा रोड से नूर नगर को जोड़ने वाली 18 से 24 मीटर चौड़ी सड़क के निर्माण कार्य को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

यह बैठक प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स की अध्यक्षता में प्राधिकरण सभागार में संपन्न हुई, जिसमें अपर सचिव, संयुक्त सचिव, प्रभारी मुख्य अभियंता, प्रभारी मुख्य नगर नियोजक एवं संबंधित क्षेत्र के अधिशासी अभियंता एवं सहायक अभियंता उपस्थित रहे। बैठक में उक्त सड़क के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में यह जानकारी दी गई कि इस सड़क के लिए टोटल स्टेशन सर्वे (TSS) पूरा किया जा चुका है और उसकी रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर दी गई है। इस संबंध में विज्ञापन भी पूर्व में प्रकाशित किया जा चुका है। इस सर्वे रिपोर्ट के आधार पर भू-अर्जन अनुभाग द्वारा भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है, जिससे निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ किया जा सके।

महत्वपूर्ण निर्णय :

बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि इस सड़क के निर्माण हेतु आवश्यक भूमि के अधिग्रहण में केवल भू-धारक कृषकों को ही भूमि मूल्य का भुगतान किया जाएगा। अन्य भूमि स्वामियों को कम्पनसेटरी त्रऽफ (0.5) का विकल्प भी प्रदान किया जाएगा , जिससे विकास प्राधिकरण पर वित्तीय भार को न्यूनतम रखा जा सके और शहरवासियों को बेहतर सड़क सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकें।

जनता से सुझाव :

इसके अलावा, बैठक में यह निर्देश दिया गया कि इस प्रस्तावित सड़क का नामकरण जनसहभागिता के आधार पर किया जाए। इसके लिए नागरिकों से सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे , जिससे इन सड़को का नामकरण जनभावनाओं के अनुरूप हो सके।

जीडीए में न्यायालय से संबंधित पत्रावलियों के डिजिटल अपलोडिंग कार्य में आई तेजी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स के निर्देशानुसार प्राधिकरण से संबंधित विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन वादों की पत्रावलियों को आईएएसपी सॉफ्टवेयर पर अपलोड कराने का कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस दिशा में विधि अनुभाग द्वारा अब तक उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन लगभग 1300 से अधिक पत्रावलियों को सॉफ्टवेयर पर अपलोड कराया जा चुका है। उक्त कार्यों को और अधिक प्रभावी व सुचारु रूप से संपन्न करने के उद्देश्य से उपाध्यक्ष अतुल वत्स द्वारा विधि अनुभाग में विशेष रूप से कंप्यूटर सिस्टम, स्कैनर और प्रशिक्षित ऑपरेटर की व्यवस्था की गई है।

इसके अतिरिक्त, उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने विधि अनुभाग की समीक्षा बैठक के दौरान समस्त अनुभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन वादों की पैरवी के लिए विशेष रूप से सक्रिय रहें।

उन्होंने यह भी स्पष्ट निर्देश दिए कि अनुभागीय अधिकारी नियत तिथि से पूर्व संबंधित पत्रावलियों का गहन अध्ययन कर अधिवक्ताओं से विचार-विमर्श अवश्य करें, ताकि न्यायालयीन मामलों में प्राधिकरण की सुदृढ़ पैरवी सुनिश्चित की जा सके। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है, जिससे न्यायालयीन प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और गति सुनिश्चित हो सके।

हाउस टैक्स वसूली तेज, 12 विशेष कैंप लगाकर वसूले जाएंगे 18 करोड़ रुपये

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की कार्य योजना के तहत हाउस टैक्स वसूली में तेजी ला रहा है। इसी क्रम में आज यानी रविवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 12 विशेष कैंप लगाए जाएंगे, जिससे करदाताओं को सहूलियत मिल सके। नगर निगम हाउस टैक्स वसूली को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए है। इसी क्रम में शनिवार को अपने कार्यालय में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार ने संबंधित अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में उन्होंने वसूली अभियान को गति देने और बकाया 18 करोड़ रुपये जल्द से जल्द जमा कराने के निर्देश दिए। अपर नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि जो संपत्ति मालिक समय पर टैक्स जमा नहीं करेंगे, उनकी संपत्तियों को सील करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी जोनल प्रभारियों को वसूली अभियान में तेजी लाने और करदाताओं को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि करदाताओं की सहूलियत के लिए रविवार को शहर के पांचों जोनों में 12 विशेष कैंप लगाए जाएंगे। इन कैंपों में लोग आसानी से अपना टैक्स जमा कर सकेंगे।

नगर निगम की टीम टैक्स वसूली में तेजी लाने के लिए लगातार मॉनिटरिंग कर रही है। अपर नगर आयुक्त अवनींद्र ने अधिकारियों के साथ बैठक कर वसूली अभियान को तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बकाया 18 करोड़ रुपये की वसूली जल्द पूरी करने के लिए कड़ी मेहनत की जाए और जरूरत पड़ने पर सीलिंग की कार्रवाई भी की जाए। इस बैठक में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव सिन्हा, सुनील राय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सभी को निर्देश दिया गया कि वे फील्ड में रहकर वसूली की निगरानी करें और सुनिश्चित करें कि अधिक से अधिक करदाता समय पर टैक्स जमा करें।

अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार ने बताया नगर निगम हाउस टैक्स वसूली अभियान को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। करदाताओं की सुविधा के लिए विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं, ताकि लोग आसानी से अपना टैक्स जमा कर सकें। जो लोग समय पर भुगतान नहीं करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जरूरत पड़ने पर सीलिंग की कार्यवाही भी शामिल होगी। हमारा लक्ष्य जल्द से जल्द बकाया 18 करोड़ रुपये की वसूली पूरी करना है। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव सिन्हा ने बताया नगर निगम करदाताओं की सहूलियत के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। हाउस टैक्स वसूली के लिए विशेष कैंपों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे लोग बिना किसी परेशानी के अपना टैक्स जमा कर सकें। हम सभी करदाताओं से अपील करते हैं कि वे समय पर अपना टैक्स जमा करें, ताकि नगर निगम की सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सके। बकायादारों के खिलाफ आवश्यकतानुसार सख्त कार्रवाई भी की जाएगी।

ग्रीन म्युनिसिपल बॉण्ड प्रोजेक्ट का नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

ट्रायल के रूप में 750 औद्योगिक इकाइयों के दरवाजों तक पहुंचा शोधित जल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा इंदिरापुरम अंतर्गत 40 एमएलडी के टीएसटीपी प्लांट का ग्रीन म्युनिसिपल बॉण्ड की कमेटी के सदस्यों के साथ निरीक्षण किया गया। मौके पर डिस फिल्टर को चालू करते हुए शोधित जल की कार्यवाही को देखा गया साथ ही प्रोजेक्ट को पूर्ण रूप से हरा भरा बनाए रखने के लिए प्लांटेशन करने के निर्देश दिए । प्रोजेक्ट को सुंदर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए कहा गया । इसी क्रम में नगर आयुक्त द्वारा ऑटोमेशन कंट्रोल रूम का भी जायजा लिया गया । जिसमें टाइमर इत्यादि गतिविधियों को देखा गया निरीक्षण के बाद नगर आयुक्त द्वारा सभी ग्रीन म्युनिसिपल बॉण्ड की टीम के साथ बैठक भी की गई शीघ्र ही प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया जाएगा कार्य योजना बनाई गई । शेष कार्य को शीघ्र ही पूर्ण करने के निर्देश वबैग टीम को दिए गए।

जलकल विभाग से अधिशासी अभियंता जल कामाख्या प्रसाद आनंद द्वारा बताया गया कि साहिबाबाद औद्योगिक इकाइयों को जल आपूर्ति करने हेतु तेजी से कार्य चल रहा है जो कि लगभग फाइनल स्टेज में है सभी इक्विपमेंट नगर आयुक्त द्वारा देखे गए प्लांट को पूर्ण रूप से व्यवस्थित किया जा चुका है और अधिक बेहतर करने के लिए कार्य चल रहा है । संपूर्ण कार्य पूर्ण होने के बाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। 1445 औद्योगिक इकाइयों में से 750 औद्योगिक इकाइयों के दरवाजा तक ट्रायल के रूप में शोधित जल की आपूर्ति कराई गई है कार्यवाही को आगे रफ्तार दी जा रही है। नगर आयुक्त द्वारा जल की गुणवत्ता जांच हेतु बनाई गई लैब का निरीक्षण किया व चल रहे कार्यों की प्रशंसा भी की गई। सीवेज वाटर का ट्रीटमेंट बेहतर रूप से चल रहा है जिसका उपयोग शोधित जल बनाकर साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र द्वारा किया जाएगा। अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, लेखाधिकारी जेपी सिंह, बॉण्ड सलाहकार अनुराग, आश कुमार व वबैग टीम से प्रोजेक्ट मैनेजर अग्निमोहती उपस्थित रहे।

जीडीए ने अवैध निर्माण पर चलाया ध्वस्तीकरण अभियान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास क्षेत्र में अनधिकृत रूप से विकसित की जा रही अवैध निर्माण/प्लॉटिंग पर सख्त कार्रवाई के निर्देश उपाध्यक्ष अतुल वत्स द्वारा दिए गए हैं। उक्त आदेशों के अनुपालन में प्रवर्तन जोन-4 द्वारा विभिन्न स्थानों पर अवैध निमार्णों को ध्वस्त और सील किया गया। 1. भवन संख्या- -283 प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद अनुराग शिशोदिया एवं सी 29 एस अशोक पाल द्वारा किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया। भवन संख्या- एम 118, सेक्टर-12, प्रताप विहार ताराचंद सारस्वत द्वारा किए गए अनधिकृत निर्माण को सील किया गया। दुकान संख्या -7/51 एफ ब्लॉक, सेक्टर-11, प्रताप विहार मे विकसित मार्केट के समीप शौचालय हेतु नियोजित भूमि की ओर अवैध रूप से खोले गए शटर को सील किया गया तथा प्राधिकरण की भूमि पर किये गए अवैध कब्जे को कब्जामुक्त कराया गया। इसके अलावा, सिद्धार्थ विहार और हिंडन नदी के समीप डूब क्षेत्र में विकसित अवैध कॉलोनियों, प्लॉटिंग, बाउंड्री, छोटे-मोटे अस्थायी भवन एवं ऑफिस को भी ध्वस्त किया गया। जन साधारण को सूचित किया जाता है कि बिना मानचित्र स्वीकृति के विकसित अवैध कॉलोनियों में भूखंड/प्लॉट न खरीदें। ऐसी कॉलोनियों में भवन निर्माण मानचित्र स्वीकृत नहीं होते हैं। बिना मानचित्र स्वीकृति के भवनों को सील या ध्वस्त किया जा सकता है। प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन जोन-4 के सहायक अभियंता, अवर अभियंता, सुपरवाइजर स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल एवं प्रवर्तन दस्ते की उपस्थिति में कार्रवाई की गई। आगामी माह में भी ध्वस्तीकरण एवं सीलिंग की कार्रवाई जारी रहेगा।

हिंडन श्मशान घाट का होगा आधुनिकीकरण, लगाए जाएंगे तीन हरित शवदाह गृह

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम, लकड़ी की खपत होगी कम, सीएनजी और गोबर आधारित दाह संस्कार संयंत्र होंगे स्थापित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर निगम ने हिंडन नदी के पास स्थित श्मशान घाट के जीर्णोद्धार और पर्यावरण-अनुकूल शवदाह गृह बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नगर आयुक्त के निदेर्शानुसार, कम धुआं देने वाले आधुनिक दाह संस्कार संयंत्रों की स्थापना की जा रही है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने निगम अधिकारियों के साथ चल रहे कार्यों की प्रेजेंटेशन देखी। आधुनिक शवदाह गृह संयंत्र लगाने के लिए फाउंडेशन व अन्य कार्य प्रारंभ कर दिए गए। हिंडन श्मशान घाट का होगा आधुनिकीकरण, तीन नए हरित शवदाह गृह स्थापित किए जाएंगे। तीन आधुनिक दाह संस्कार संयंत्र लगाए जाएंगे-दो सीएनजी आधारित और एक गाय के गोबर की लकड़ी पर आधारित। लकड़ी की खपत 400-500 क्विंटल से घटकर 100 क्विंटल रह जाएगी। आगंतुकों के लिए प्रेयर हॉल और बैठने की उचित व्यवस्था बनाई जाएगी। ग्रीनरी बढ़ाने और अन्य प्लेटफॉर्म की मरम्मत की भी योजना। 3.5 करोड़ की लागत से यह परियोजना पांच महीनों में पूरी करने का लक्ष्य दिया गया है। यह कदम न केवल धार्मिक रीति-रिवाजों को सम्मान देता है, बल्कि पर्यावरण-संरक्षण और आधुनिक तकनीक को भी बढ़ावा देता है। गाजियाबाद नगर निगम और ग्रीन रेवोल्यूशन फाउंडेशन की यह पहल सराहनीय है। धुएं का स्तर कम होगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी। वास्तु के अनुसार डिजाइन किया गया निर्माण कार्य। शहर विधायक संजीव शर्मा ने भी इस पहल को सराहा और आगंतुकों के लिए सुविधाओं को बढ़ाने की बात कही। इस दौरान अधिशासी अभियंता निर्माण एसपी मिश्रा, ग्रीन रेवोल्यूशन फाउंडेशन से टीम भी मौके पर उपस्थित रहे।

> पर्यावरण संरक्षण और शहरवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हिंडन श्मशान घाट के आधुनिकीकरण का कार्य किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा तीन आधुनिक दाह संस्कार संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनमें दो सीएनजी आधारित और एक गाय के गोबर की लकड़ी पर आधारित होगा। इससे लकड़ी की खपत कम होगी और प्रदूषण में भी कमी आएगी। इसके अलावा, आगंतुकों के लिए प्रेयर हॉल, बैठने की सुविधाएं और ग्रीनरी को बढ़ाने का कार्य भी किया जाएगा। यह प्रोजेक्ट 3.5 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया जा रहा है और अगले 5 महीनों में कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। गाजियाबाद नगर निगम पर्यावरण अनुकूल समाधानों की दिशा में लगातार काम कर रहा है, ताकि शहर को स्वच्छ और हरित बनाया जा सके।
>
> **विक्रमादित्य सिंह मलिक**
> **नगर आयुक्त नगर निगम गाजियाबाद**

> हिंडन श्मशान घाट के आधुनिकीकरण का कार्य पूरी तेजी से चल रहा है। यहां तीन आधुनिक शवदाह संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनमें दो सीएनजी आधारित और एक गाय के गोबर की लकड़ी पर आधारित होगा। इससे लकड़ी की खपत में भारी कमी आएगी और पर्यावरण को भी कम नुकसान पहुंचेगा। इसके अलावा, श्मशान घाट पर 40 से अधिक प्लेटफार्म की मरम्मत की जाएगी, ग्रीनरी को बढ़ाया जाएगा, और आगंतुकों के बैठने के लिए एक प्रेयर हॉल भी बनाया जाएगा। लगभग 3.5 करोड़ की लागत से इस परियोजना को अगले 5 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। निर्माण कार्य नगर निगम के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप किया जा रहा है, जिससे शहरवासियों को एक सुव्यवस्थित और स्वच्छ वातावरण मिल सके।
>
> **नरेंद्र कुमार चौधरी,**
> **मुख्य अभियंता निर्माण, नगर निगम गाजियाबाद**

नगर निगम की पहलः सुविधाओं में होगा सुधार

- 40 से अधिक प्लेटफार्म की मरम्मत की जाएगी।
- आगंतुकों के लिए प्रेयर हॉल और बैठने की व्यवस्था होगी।
- ग्रीनरी बढ़ाई जाएगी ताकि वातावरण स्वच्छ और सुंदर बने।

गाजियाबाद के नागरिकों को होगा लाभ

यह पहल न केवल धार्मिक रीति-रिवाजों को बनाए रखेगी, बल्कि पर्यावरण-संरक्षण को भी बढ़ावा देगी। ग्रीन रिवॉल्यूशन फाउंडेशन की मदद से इस कार्य की निगरानी की जा रही है। इस परियोजना से शहरवासियों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और पर्यावरण-अनुकूल दाह संस्कार की सुविधा मिलेगी।

यह गाजियाबाद शहर के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जो पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं की दिशा में एक बड़ा कदम है। हिंडन श्मशान घाट के जीर्णोद्धार और हरित शवदाह गृह के निर्माण से न केवल लकड़ी की खपत कम होगी बल्कि धुएं का स्तर भी घटेगा, जिससे पर्यावरण को लाभ मिलेगा।

लखनऊ को एआई सिटी के रूप में विकसित कर रही डबल इंजन की सरकार: सीएम योगी

राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी की मौजूदगी में लखनऊ में 4 लेन के 2 फ्लाईओवर का हुआ उद्घाटन

इन प्रमुख परियोजनाओं का हुआ लोकार्पण

- बसंतकुंज योजना के निकट नागरियाकला में 400 केएल एवं जी-20 रोड जनेश्वर मिश्र पार्क के निकट 20 केएल स्ट्रॉम ड्रेनेज हेतु फ्लड पम्पिंग स्टेशन
- बसंतकुंज योजना के सेक्टर-आई में 6 डीप नलकूप सीजी सिटी में हार्मनी पार्क (म्यूजिकल एवं स्पोर्ट्स पार्क)
- अहिमामऊ में कल्याण मंडप

शिलान्यास होने वाली प्रमुख परियोजनाएं

- कबीरनगर-देवपुर पारा आवासीय योजना में 1,032 ईडब्ल्यूएस आवास एवं सड़क
- गोमती पर कुकरैल नदी से बैकुंठ धाम तक 4 लेन ब्रिज
- सीजी सिटी योजना के दक्षिणी भाग में ग्रीन पार्क
- शहीद पथ से किसान पथ की ओर गोमती के एलएचएस तटबंध पर सड़क
- बसंतकुंज आवासीय योजना में बरीकला बैरल के पास 400 केएल क्षमता का फ्लड पंपिंग स्टेशन
- गोमती पर पक्के पुल के पास बंधों पर 4 लेन आर्च सेतु एवं पहुंच मार्ग
- माल-दुबग्गा मार्ग (17 किमी) का सुदृढ़ीकरण
- नगराम-निगोहा मार्ग के चैनेज 20 से 29.750 तक का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण
- कुर्री-सुदौली मार्ग (लंबाई-5.730 किमी) का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण

उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि का प्रतीक है महाकुम्भ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में चल रहे महाकुम्भ के ऐतिहासिक आयोजन को उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ 2025 में अब तक 50 करोड़ श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं, जो उत्तर प्रदेश की शक्ति और व्यवस्थागत कुशलता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि आज महाकुम्भ में लोगों की सैंकड़ों वर्षों से दबी हुई भावनाओं को सम्मान मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि महाकुम्भ का आयोजन स्थल रक्षा मंत्रालय की भूमि पर होता है और पिछले आठ वर्षों से उत्तर प्रदेश सरकार को यह भूमि लीज पर सहजता से प्राप्त हो रही है। इस बार पहली बार श्रद्धालु अक्षयवट, पातालपुरी और सरस्वती कूप के दर्शन कर पा रहे हैं, जिन्हें ऐतिहासिक रूप से सीमित पहुंच में रखा गया था।

रक्षा मंत्री के मार्गदर्शन से लखनऊ और यूपी के विकास को मिली नई गति

सीएम योगी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मार्गदर्शन और सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने प्रदेश के विकास के लिए हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डिफेंस कॉरिडोर के तहत लखनऊ में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण परियोजना को आगे बढ़ाने से लेकर झांसी में बड़े प्रोजेक्ट्स को लाकर यूपी को डिफेंस निर्माण का केंद्र बनाने में रक्षा मंत्री का योगदान अमूल्य है। लखनऊ के समग्र विकास पर चर्चा करते हुए सीएम योगी ने बताया कि स्टेट कैपिटल रीजन की तर्ज पर लखनऊ को योजनाबद्ध तरीके से विकसित किया जा रहा है। ग्रीन कॉरिडोर, किसान पथ, इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर और इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसी परियोजनाएं लखनऊ को विश्व स्तरीय शहर बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

महाकुम्भ में ऐतिहासिक व्यवस्थाएं और बेहतर कनेक्टिविटी से श्रद्धालुओं को मिल रही सुविधा

सीएम योगी ने कहा कि महाकुम्भ में असाधारण भीड़ को संभालने के लिए सड़क मार्ग, रेलवे और वायु मार्ग से बेहतरीन कनेक्टिविटी दी गई है। 40 रेगुलर फ्लाइट्स प्रयागराज को देश के विभिन्न हिस्सों से जोड़ रही हैं, वहीं रेलवे द्वारा सैकड़ों मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया है। सड़क मार्ग से सबसे अधिक श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच रहे हैं और इसके लिए केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा स्वीकृत विभिन्न सड़क परियोजनाओं ने अहम भूमिका निभाई है। सीएम योगी ने कहा कि मौनी अमावस्या के दिन 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया और सुचारू व्यवस्थाओं के कारण कोई अव्यवस्था नहीं हुई। उन्होंने कहा कि यह डबल इंजन सरकार की प्रशासनिक दक्षता का परिणाम है।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में 4 लेन के दो प्रमुख फ्लाईओवर का उद्घाटन किया।

इनमें 270 करोड़ रुपये की लागत से बना इंदिरा नगर सेक्टर 25 से खुर्रमनगर-कल्याणपुर फ्लाईओवर (3 किमी) और 170 करोड़ रुपये की लागत से बना पॉलिटेक्निक से मुंशी पुलिया चौराहा फ्लाईओवर (2 किमी) शामिल हैं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कुल 588 करोड़ रुपये की 114 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन की सरकार द्वारा लखनऊ को न केवल एयरो सिटी बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) सिटी के रूप में भी विकसित किया जा रहा है।

जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हो रहा है और राज्य के हर नागरिक को बेहतर बुनियादी ढांचा और सार्वजनिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

सीएम योगी ने कहा कि लखनऊ को 1000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की सौगात मिली है, जिसमें 440 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग की दो महत्वपूर्ण परियोजनाएं और करीब 600 करोड़ रुपये की विभिन्न राज्य परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास शामिल है। उन्होंने कहा कि लखनऊ को मेट्रो शहरों की तरह विकसित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा व हर्ष मल्होत्रा, यूपी के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, संजय सेठ, बृजलाल, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, समेत कई विधायक व नेतागण मौजूद रहे।

सीएम योगी ने कहा कि महाकुम्भ न केवल आस्था का महापर्व है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने अनुमान लगाया कि इस आयोजन से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में लगभग 3 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग कुंभ पर खर्च को लेकर सवाल उठाते हैं, लेकिन यह निवेश प्रयागराज के संपूर्ण पुनरुद्धार के लिए किया गया है। महाकुम्भ पर कुल 1500 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, लेकिन इसके बदले में उत्तर प्रदेश को 3 लाख करोड़ रुपये का लाभ होने जा रहा है। यह आयोजन पर्यटन और व्यापार को भी बड़ा प्रोत्साहन देगा।

विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ इन्वेस्ट हब के रूप विकसित हो रहा लखनऊ: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गिनाई लखनऊ के विकास की उपलब्धियां

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लखनऊ में 1028 हजार करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

इस मौके पर राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व विकास कार्य हो रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ साथ इन्वेस्ट हब के रूप में लखनऊ को विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हाल के एक अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण में लखनऊ को दुनिया के उन शहरों में

- **लखनऊ में रेलवे और हवाई यातायात को मिलेगा बढ़ावा: राजनाथ सिंह**
- **श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण से आर्थिक वृद्धि को मिल रहा बढ़ावा: राजनाथ**

शामिल किया गया है, जहां तेजी के साथ विकास हो रहा है और भूमि की कीमतें सबसे तेजी से बढ़ रही हैं।

उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यों का स्मरण करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री की मंशानुरूप यूपी में शहरी और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। रक्षा मंत्री व लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ के रेलवे नेटवर्क को और अधिक उन्नत किया जा रहा है। गोमतीनगर रेलवे टर्मिनस,

आलमनगर सैटेलाइट स्टेशन, ऐशबाग और बादशाहनगर रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण कार्य पूर्ण हो चुके हैं। ट्रांसपोर्ट नगर और उत्तरेठिया स्टेशन का उच्चीकरण भी किया जा रहा है। हवाई सेवाओं को भी विस्तार देने के लिए लखनऊ एयरपोर्ट का विस्तार किया जा रहा है, जिससे अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की सुविधा और बेहतर हो सके। रक्षा मंत्री ने कहा कि लखनऊ में डिफेंस कॉरिडोर के तहत ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण परियोजना का उद्घाटन आगामी मई-जून में किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना से उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास में एक नई ऊंचाई पर पहुंचेगा। इसके अलावा, लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जिससे लखनऊ से कानपुर की यात्रा मात्र 40 मिनट में पूरी हो सकेगी।

अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर में हो रहा ऐतिहासिक निवेश: रक्षा मंत्री

रक्षा मंत्री ने कहा कि 2004 से 2014 तक देश में अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर केवल 1.78 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, जबकि 2014 से 2024 के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस क्षेत्र में 28.52 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। लखनऊ मेट्रो के विस्तार पर भी जोर दिया गया, जिसमें चारबाग से वसंत कुंज तक की परियोजना को जल्द स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ में यातायात सुगमता के लिए कई फ्लाईओवर और हाईवे बनाए जा रहे हैं। पॉलीटेक्निक चौराहे से मुंशी पुलिया तक 170 करोड़ रुपये की लागत से बने चार लेन फ्लाईओवर और इंदिरा नगर से खुर्रमनगर तक 270 करोड़ रुपये की लागत से बने फ्लाईओवर का लोकार्पण किया गया। इसके अतिरिक्त, अमर शहीद पथ के पास सर्विस रोड के निर्माण हेतु 45 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

उत्तर प्रदेश बनेगा देश की आर्थिक रीढ़: नितिन गडकरी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दे रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं रहा, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाले अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी में रामराज्य स्थापित करने में सफलता हासिल की है। नितिन गडकरी लखनऊ में आयोजित 1028 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को विश्व गुरू व 5 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने का लक्ष्य रखा गया है और इसमें उत्तर प्रदेश की भूमिका अहम होगी। उन्होंने जोर दिया कि

- **यूपी में रामराज्य स्थापित करने में सफल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ: गडकरी**
- **केंद्रीय परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गिनाईं विकास की उपलब्धियां**
- **उत्तर प्रदेश में बड़े औद्योगिक निवेश की है तैयारी- केंद्रीय मंत्री**

अगर सड़क, जल, ऊर्जा, परिवहन और संचार की व्यवस्थाएं मजबूत होंगी, तो उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, पूंजी निवेश आकर्षित होगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब तक 1.25 लाख करोड़ रुपये की सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है, 1 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं निमार्णाधीन हैं और 1 लाख करोड़ रुपये की योजनाएं पाइपलाइन में हैं। उन्होंने कहा कि कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे का निर्माण देश में पहली बार ह्यऑटोमेटेड इंटेलिजेंट मशीन एंड गाइडेड कंस्ट्रक्शनह्व तकनीक से किया जा रहा है, जिससे सड़क की गुणवत्ता बेहतर होगी और 10 वर्षों तक उस पर कोई गड्ढा नहीं बनेगा। इसके अलावा, पूर्वांचल को औद्योगिक विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए वाराणसी से कोलकाता और गोरखपुर से सिलीगुड़ी तक 75,000 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का निर्माण प्रस्तावित है। गडकरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अनुरोध किया कि इन परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय स्वीकृतियों को शीघ्रता से पूरा किया जाए। जिससे इनका काम जल्द शुरू किया जा सके।

जल कलश के माध्यम से हरित महाकुम्भ में सहयोग, 20 हजार से अधिक प्लास्टिक की बोतलें जुटाईं

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ के आयोजन में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को लेकर कई अनूठे प्रयोग किए गए हैं। इसी कड़ी में जल कलश पहल महाकुम्भ में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जिसकी स्थापना अरैल घाट सेक्टर 24 निषाद राज मार्ग में की गई है। जल कलश में कुम्भ क्षेत्र में प्रयोग की गई पानी की बोतलों को इकठ्ठा किया गया है और इन बोतलों को रिसाइकिल करके उपयोग में लाया जायेगा, जिससे प्रकृति में इन प्लास्टिक की बोतलों का दुष्प्रभाव न पड़ सके। अभियान के दौरान 20,000 से अधिक प्लास्टिक की बोतलें एकत्र की गई हैं। नमामि गंगे मिशन के पूर्व महानिदेशक जी अशोक कुमार के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों के सहयोग से जल कलश पहल को शुरू किया गया है। जल कलश पहल 1 फरवरी से 20 फरवरी, 2025 तक एचसीएल फाउंडेशन के सहयोग से डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स द्वारा आयोजित 20-दिवसीय अभियान है। स्थानीय स्तर पर आदर्श सेवा समिति व मंगल भूमि

- **महाकुम्भ में आकर्षण का केंद्र बना है अरैल घाट पर स्थित जल कलश**
- **उपयोग की गई प्लास्टिक की बोतलों को कलेक्ट कर जल कलश में किया जा रहा एकत्र**
- **नदी को प्लास्टिक के बोतलों के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए अनूठी पहल**

फाउंडेशन इस पहल में सहयोग कर रही हैं। जी अशोक कुमार कहते हैं कि महाकुम्भ को हरित महाकुम्भ बनाने की दृष्टि से कुंभ क्षेत्र में उपयोग की गई प्लास्टिक की बोतलों को कलेक्ट करके हमने छोटा सा प्रयास हरित कुम्भ की ओर किया है। इस कुंभ क्षेत्र में जल कलश की स्थापना कर यह संदेश दिया गया है कि मां गंगा की अविरलता और निर्मलता में यह प्लास्टिक बाधा है। इन प्लास्टिक की बोतलों को एक कलश में रखकर यह दशार्ने की कोशिश की गई है कि प्लास्टिक को गंगा और गंगा के क्षेत्र में नहीं जाने देना है, जिससे हमारी गंगा अविरल और निर्मल रहे।

महाकुम्भ को बदनाम करने वालों पर पुलिस सख्त, 54 सोशल मीडिया अकाउंट के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मिस्र की आग को महाकुम्भ की आग बताने वाले 5 इंस्टाग्राम एक एक्स और एक यूट्यूब चैनल पर हुई कार्रवाई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भ नगर। 'महाकुम्भ 2025' की जहां एक तरफ पूरे विश्व में प्रशंसा हो रही है, वहीं दूसरी तरफ ऐसे तत्व भी कम नहीं है, जो सोशल मीडिया के जरिए फर्जी वीडियो और भ्रामक खबरें पोस्ट कर के सनातन धर्म के इस सबसे बड़े धार्मिक, सांस्कृतिक समागम को बदनाम करने में लगे हुए हैं। यूपी पुलिस ऐसे कुत्सित प्रयास करने वालों से सख्ती बरत रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उत्तर प्रदेश पुलिस सोशल मीडिया पर 247 पैनी नजर रख रही है। इसी क्रम में पुलिस ने अबतक 54 ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट्स के खिलाफ विधिक कार्रवाई की है, जो फर्जी और भ्रामक पोस्ट के जरिए जनता में अफवाह फैलाने का काम कर रहे थे।

13 फरवरी 2025 को सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के दौरान दो वीडियो को पुलिस ने विशेष संज्ञान में लिया, जिन्हें महाकुम्भ से जोड़कर भ्रामक रूप से प्रस्तुत किया गया था। इनमें 'मिस्र के अग्निकांड को महाकुम्भ की आग' बताते हुए पोस्ट किया गया था। यह वीडियो मिस्र में वर्ष 2020 में हुई एक तेल पाइपलाइन दुर्घटना का था, जिसे यह कहकर प्रसारित किया गया कि 'महाकुम्भ बस स्टैंड में आग लगी, 40-50 गाड़ियां जलकर राख हो गईं।' इस अफवाह को फैलाने वाले सात सोशल मीडिया अकाउंट के खिलाफ कोतवाली कुम्भ मेला में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

वहीं दूसरे वीडियो में पटना की घटना को महाकुम्भ से जोड़ा गया। यह वीडियो बिहार में एक फिल्म प्रमोशन इवेंट के दौरान हुई अव्यवस्था का था, जिसे महाकुम्भ से जोड़कर यह अफवाह फैलाई गई कि 'कुम्भ में राष्ट्रवादी लोगों ने आर्मी जवानों पर चप्पलें फेंकी।'

स्वच्छता के वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर बढ़ा महाकुम्भ

300 स्वच्छताकर्मियों ने घाटों पर सफाई अभियान चलाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड की दिशा में किया प्रयास

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भ नगर। तीर्थराज प्रयागराज की धरती न केवल भव्य महाकुम्भ-2025 के रूप में मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का साक्षात्कार कर रही है, बल्कि संगमनगरी ऐतिहासिक वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की भी साक्षी बन रही है। 50 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम स्नान के वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ ही तीर्थराज ने शुक्रवार को स्वच्छता की दिशा में भी एक अनूठा वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। इसके तहत, 300 से अधिक स्वच्छताकर्मियों ने एक साथ अलग-अलग घाटों पर गंगा की सफाई कर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। इस रिकॉर्ड को बनाने के लिए मेला

प्राधिकरण की ओर से सभी निर्धारित प्रक्रिया को अपनाया गया। अब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधि इस पूरी प्रक्रिया को वेरिफाई करेंगे और इस रिकॉर्ड को प्रमाणित करने के बाद इसका सर्टिफिकेट प्रदान करेंगे। सर्टिफिकेट प्राप्त होने के बाद यह अपने आप में एक अनूठा रिकॉर्ड होगा, जहां एक साथ इतने सफाई कर्मियों ने अलग-अलग घाटों पर आधे घंटे से ज्यादा समय तक नदी की सफाई का अभियान चलाया। आकांक्षा राना ने बताया कि इस अभियान को देखने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

साथ ही, इस प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए आई विटनेसेज के रूप में इनवॉयरमेंटलिस्ट और एमएनआईटी के प्रोफेसर्स भी मौजूद थे।

पूरी प्रक्रिया की कराई गई वीडियोग्राफी

सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रयागराज में जारी महाकुम्भ की ग्लोबल इमेज को देखते हुए सरकार ने नदी की सफाई को लेकर जन जागरुकता अभियान छेड़ा हुआ है। इस अभियान की वजह से महाकुम्भ में आ रहे करोड़ों श्रद्धालु मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पावन, निर्मल और स्वच्छ जल में स्नान कर रहे हैं। अब इसी अभियान को वर्ल्ड रिकॉर्ड के रूप में प्रमाणिकता मिलने जा रही है। मेला प्राधिकरण की विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) आकांक्षा राना ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर सबसे बड़ी नदी सफाई अभियान के रिकॉर्ड्स की स्थापना का लक्ष्य रखा गया था, जिसे आज पूरी प्रक्रिया के साथ पूर्ण किया गया है। इसके तहत गंगा नदी पर बने तीन घाटों (राम घाट, भारद्वाज घाट और गंगेश्वर घाट) पर एक साथ गंगा सफाई अभियान चलाया गया। आधे घंटे से अधिक समय तक चले इस अभियान के माध्यम से नदी और घाटों को स्वच्छ रखने के लिए जागरूकता का भी प्रसार किया गया। इस सफाई अभियान में कुल 300 से ज्यादा सफाई कर्मी शामिल हुए।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा

प्रधानमंत्री की इस बार की अमेरिका यात्रा कई दृष्टियों से महत्त्वपूर्ण कही जा सकती है। जबसे डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति का पद संभाला है, वे कई मामलों में काफी आक्रामक नजर आ रहे हैं। खासकर प्रवासियों और व्यापार संबंधों को लेकर। पदभार संभालने के साथ ही जिस तरह उन्होंने भारतीय मूल के अवैध प्रवासियों की पहली खेप बेड़ियों में जकड़ कर वापस भेज दी, उससे कई तरह की चिंताएं जताई जाने लगी थीं। हालांकि प्रधानमंत्री इस बार राजकीय यात्रा पर नहीं गए थे, मगर डोनाल्ड ट्रंप ने उनके साथ पूरी गरमजोशी दिखाई। इस मुलाकात में कई तरह के भ्रम भी दूर हुए। कुछ लोग कयास लगा रहे थे कि ट्रंप जिस तरह कुछ देशों के साथ व्यापार पर अतिरिक्त शुल्क थोप रहे हैं और अमेरिकी हितों को तरजीह दे रहे हैं, उसमें भारत के साथ भी व्यापार प्रभावित हो सकता है। मगर ट्रंप ने इस कयास को साफ कर दिया। उन्होंने कहा कि जो देश जितना शुल्क लगाएगा, अमेरिका भी उस पर उतना ही शुल्क लगाएगा, न कम न ज्यादा। इसका साथ ही उन्होंने भारत सरकार के इस फैसले की तारीफ की कि उसने अनावश्यक शुल्क हटाना शुरू कर दिया है, जिससे भारतीय बाजार में अमेरिका की पहुंच कुछ और बढ़ेगी। दोनों देशों ने प्रतिरक्षा, तेल-गैस, नागरिक परमाणु ऊर्जा सहयोग, आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग और प्रतिरक्षा खरीद मामलों ने महत्त्वपूर्ण समझौते किए। अमेरिका भारत को एफ-35 युद्धक विमान बेचने का इच्छुक है। भारत ने इस पर सहमति दे दी है। हालांकि इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक हस्ताक्षर नहीं हुए हैं, पर भारत मानता है कि इस विमान की खरीद से उसकी सामरिक शक्ति बढ़ेगी। अमेरिका ने भरोसा दिलाया है कि वह भारत की नागरिक परमाणु ऊर्जा संबंधी जरूरतों को पूरा करेगा और हर सहयोग उपलब्ध कराएगा। वह भारत की तेल और गैस संबंधी जरूरतों को पूरा करेगा। दरअसल, भारत की चिंता कच्चे तेल की अधिक रहती है। रूस-यूक्रेन और इजराइल-फिलस्तीन संघर्ष के बीच आपूर्ति शृंखला बाधित हुई, तो कच्चे तेल के मामले में भारत ने रूस से सहयोग लेना शुरू कर दिया। अब अमेरिका से इस क्षेत्र में सहयोग मिलेगा, तो निश्चय ही उस पर दबाव कुछ कम होगा। आतंकवाद के मुद्दे पर भारत और अमेरिका लंबे समय से सहयोगी रहे हैं। मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को लेकर अमेरिका ने सकारात्मक रुख दिखाया है, उससे दोनों के रिश्ते और प्रगाढ़ हुए हैं। अवैध आप्रवासन को लेकर अमेरिका की चिंता पर भारत ने कहा कि वह अपने नागरिकों को वापस लेने को तैयार है, बेशक उन्हें ससम्मान वापस भेजा जाए। यही नहीं, प्रधानमंत्री ने उन मानव तस्करों के खिलाफ भी कड़े कदम उठाने का वादा किया, जो भारत से लोगों को बरगला या बहला कर दूसरे देशों में ले जाते हैं। निश्चय ही यह अमेरिका के फैसले के प्रति सकारात्मक रुख है। सबसे अधिक चिंता व्यापार पर अतिरिक्त शुल्क लगाने से भारत के निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की चिंता जताई जा रही थी, मगर उस चिंता को दूर करते हुए दोनों देशों ने भरोसा दिलाया है कि वे 2030 तक आपसी व्यापार को दोगुना करेंगे। इससे न केवल दोनों देशों का व्यापार घाटा कम होगा, बल्कि दोनों का बाजार कुछ और विस्तृत होगा। अमेरिका के साथ भारत के संबंधों में जिस गतिरोध की आशंका जताई जा रही थी, वह समाप्त हो गई है। प्रधानमंत्री की इस यात्रा की यह बड़ी उपलब्धि है।

शून्य हासिल करने का सुख, यह जीरो है पिछली बार से अलग

पिछले दिनों देश की राजधानी में शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न हुए। चुनाव-परिणाम एक्जिट-पोल के मुताबिक आए और शांतिपूर्वक स्वीकारे भी गए। परिणामों के बाद अब सर्वत्र समीक्षा, मंथन और चिंतन का दौर शुरू है। जो जीते हैं, वे इस पर हैरान हैं कि ऐसे कैसे जीत गए। जो हारे हैं, उनका आकलन है कि लोग तो बेईमानी से हारते हैं, वे विशुद्ध ईमानदारी से हारे हैं। और तीसरे जो न जीत में थे, न हार में, वे सबसे ज्यादा खुश हैं। वे इसी में मगन हैं कि इस बार का शून्य पिछली बार से अलग है। उनकी उपस्थिति भर से मजबूत सरकार भरभराकर गिर गई। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इन चर्चाओं के बीच हम तीनों दलों से अंदर की खबर खींच कर लाए हैं। पहले चुनाव जीतने वालों की खबर लेते हैं। वे कई बरस बाद जीते हैं। जाहिर है सबसे ज्यादा गहमागहमी यहीं थी। सभी जीते हुए लोग एक गोल बनाकर बैठे हुए थे। एक वरिष्ठ नेता सबको संबोधित कर रहे थे, ह्यभाइयों, यह जीत हमारी और केवल हमारी है। कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं कि हम लोग यूं ही जीत गए हैं। यह सरासर गलत है। हमें पता है कि हम कैसे जीते हैं। हमारे अंदर जीत की भूख हरदम रहती है। हमारी उपस्थिति हार-जीत से ज्यादा सरकार बनाने के लिए होती है। हमें बिन-दूल्हे की बारात कहा जा रहा था, फिर भी हम जीते। यह अलग बात है कि हम अभी भी उस दूल्हे को तलाश रहे हैं। फिलहाल आप सभी लोग गारंटी के मजे लें। इतना कहकर नेताजी ने अपनी वाणी को विराम दिया और सभी लोग दावतखाने की ओर लपके। वहां से निकलकर दूसरे दल के पंडाल में पहुंचा तो माहौल बहुत गर्म था। पंद्रह करोड़ी विधायक बेहद उत्तेजित थे। आलाकमान से अपने-अपने नुकसान की भरपाई की मांग कर रहे थे। उनका सबसे बड़ा दुख था कि हारने के बाद वे बिकने लायक भी न रहे। उनके नेता ने सबको शांत करते हुए कहा, ह्यअसल नुकसान तो हमारा हुआ है जी। हम आंदोलन से निकले लोग हैं। सरकार में आने से पहले सड़क पर ही थे। हमें कोई फर्क नहीं पड़ता जी। जनता पर पूरा भरोसा है हमें। उसकी याददाश्त कमजोर है। वह हमें जरूर फिर से याद करेगी। हम समंदर तो नहीं, फिर भी लौट के आएंगे। यमुना मइया की कसम। अब आम आदमी के मुंह में मुफ्त का खून लग चुका है। कुछ आदतें जनता की बदली हैं और कुछ हमारी भी। हम अपनी कट्टर ईमानदारी को रिचार्ज करेंगे। हम हारे भले हैं, पराजित नहीं हुए हैं। असल में हम भ्रष्टाचार साफ करने आए थे और हमें खुशी है कि पूरी ईमानदारी से हम स्वयं साफ हो गए! उनके इस चुनावी-चिंतन से तालियों का शोर इतना बढ़ गया कि आगे कुछ सुनाई नहीं दिया। मेरे कदम अब तीसरे दल के शामियाने की ओर बढ़ गए। असली जश्न का माहौल वहीं दिखा। लोग एक-दूसरे को बधाई दे रहे थे। मैंने पहली बार किसी को हार की बधाई देते सुना। उनके नेता चहकते हुए कह रहे थे, दोस्तों, बड़े संघर्ष के बाद हमने लगातार तीसरी बार शून्य हासिल किया है। ऐसे समय में जब सब कुछ तेजी से गिर रहा हो, तब शून्य ने विशेष प्रतिष्ठा अर्जित की है। राजनीति हो, बाजार हो या रुपया हो, सभी शून्य से होड़ लगाए हुए हैं। जहां शून्य पाकर हम मालामाल हुए हैं, वहीं सरकार चला रहे लोग अचानक संज्ञा-शून्य हो गए हैं। उन्हें एक झटके से सत्ता से बाहर होना पड़ा है। हमारे शून्य के प्रहार से शीशमहल तक उजड़ गया है। जो नई सरकार बनाने जा रहे हैं, शून्य की महत्ता को वे भी नकार नहीं सकते। यह हमारा शून्य है, जो किसी और के शून्य से बिल्कुल अलग है। शून्य हमें सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। हम भविष्य में और बेहतर शून्य की कामना करते हैं। ऐसा कहकर वे शून्य की ओर ताकने लगे। शून्य की यह दार्शनिक व्याख्या सुनकर मैं स्वयं संज्ञा-शून्य हो गया। थोड़ी देर बाद जब चेतना वापस लौटी तो समझ में आया कि ऐसी निर्मम समीक्षाएं ही हमारे लोकतंत्र को स्वस्थ बना रही हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य समेत अन्य क्षेत्रों पर देना होगा अधिक ध्यान

आजकल विकसित भारत शब्द विमर्श के केंद्र में है। प्रश्न उठता है कि विकसित भारत क्या है? क्या यह मात्र एक शब्द है? या राजनीतिक प्रतीक है? क्या यह नारा है? क्या यह एक भविष्यपरक लक्ष्य है? क्या यह राष्ट्र निर्माण का एक परिवर्तनकारी मिशन है? गहराई से व्याख्या करें तो भारतीय आधुनिक इतिहास में तीन परिवर्तनकारी दीर्घ क्षण दिखते है-पहला गांधीजी का भारत की आजादी का मिशन, आजादी के बाद राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन के लक्ष्यों को लागू करने का मिशन और तीसरा क्षण है विकसित भारत का मिशन, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्पित किया है। विकसित भारत एक दीर्घकालिक प्रक्रिया है। यदि इसे प्रतीक के रूप में देखें तो यह एक विकासपरक प्रतीक है, जिसमें विकसित देशों की श्रेणी में आना एक लक्ष्य है। विकसित देशों में विकास के जितने भी मानक हैं-स्वास्थ्य, शिक्षा, गुणात्मक जीवन, सुख, खुशी, समरसता इत्यादि के आधार पर शीर्ष पर पहुंचने की प्रतिबद्धता के भाव इस संकल्पना में समाहित हैं। विकसित भारत के इस प्रतीक में विकास की आधारभूत संरचनाओं के निर्माण के साथ ही समाज की बेहतरी के लिए सुविधाएं, संचार एवं बाजार का जनोपयोगी विकास भी करना होगा। इस प्रकार, एक प्रतीक के रूप में विकसित भारत विकास के अनेक रूपों यथा आर्थिक विकास, सांस्कृतिक विकास, सुख एवं संतोष की प्राप्ति, आध्यात्मिक उन्नयन, ज्ञान जगत में शीर्ष कोटि प्राप्त करने के लक्ष्य को खुद में शामिल किए हुए है। अगर आप विकसित भारत की इस प्रक्रिया को देखेंगे तो जाहिर होगा कि सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में पूरी तरह सक्रिय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिये जहां शिक्षा के मोर्चे पर आशातीत परिणाम हासिल करने की प्रतिबद्धता प्रदर्शित हो रही है, वहीं जनस्वास्थ्य के स्तर पर सभी कड़ियों को मजबूत बनाने के लिए कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाकर स्वस्थ भारत के लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। आधारभूत संरचना के लिए भी हाईवे और एक्सप्रेसवे निर्माण से देश के कोने-कोने को जोड़ने का काम द्रुत गति से जारी है। धार्मिक एवं अध्यात्मिक स्थलों को विकसित कर श्रद्धालुओं की सुविधाजनक तीर्थ यात्रा को संभव किया जा रहा है। विकसित भारत मिशन के लिए समर्पित रणनीतियों से जाहिर है कि आर्थिक, सांस्कृतिक एवं सैन्य शक्ति से युक्त भारत ही विकसित भारत का आधार बनेगा। विकसित भारत पीएम मोदी के ह्यपंच प्रणह्न पर आधारित है। इस पंच प्रण में विकसित भारत का लक्ष्य, गुलामी की हर एक स्मृति एवं प्रतीक से मुक्ति, अपनी विरासत पर गर्व, एकता की शक्ति, नागरिकों में कर्तव्य बोध जागरण जैसे तत्व समाहित हैं। हाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डा. मोहन भागवत ने सांस्कृतिक आजादी की बात की तो कुछ वर्गों ने उनकी आलोचना की। इस प्रक्रिया में हम भूल गए कि दुनिया की हर राजनीतिक आजादी धीरे-धीरे अपने लिए विभिन्न चरणों में सामाजिक एवं सांस्कृतिक आजादी प्राप्त कर एक प्रभावी एवं विकसित राष्ट्र का निर्माण करती ही है। दुनिया भर के देशों की मुक्ति का इतिहास देखें तो जाहिर होगा कि आजादी प्राप्ति के बाद भी ऐसे अनेक औपनिवेशिक राष्ट्रों को अपने मानस, संस्कृति एवं समाज को विऔपनिवेशीकृत करने के लिए प्रयास करने पड़े। ऐसे तमाम विवरण केन्या के प्रसिद्ध लेखक आंगुगी बाच्योंगो की पुस्तक ह्यडिकोलोनाइजिंग माइंडह्न में उल्लिखित हैं। स्पष्ट है कि विकसित भारत मिशन एवं गुलामी की संस्कृति से सांस्कृतिक मुक्ति का अभियान एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। विकसित भारत एक सुखद भविष्य की आशा का प्रतीक है, जिसमें भारत के भविष्य की दीर्घकालिक दृष्टि दिखती है। वस्तुतः भारतीय इतिहास का यह तीसरा चरण, जो विकसित भारत का चरण है, इस रूप में महत्वपूर्ण है कि इसमें पहली बार महात्मा गांधी के बाद किसी भारतीय राजनेता ने देश के भविष्य की दीर्घकालिक संकल्पना प्रस्तुत की है। अतीत में नेताओं ने ह्यभारत भविष्यह्न को पंचवर्षीय योजनाओं में बांट रखा था। यह खंडित भविष्य की संकल्पना थी, जिसे पीएम मोदी ने विकसित भारत के एक दीर्घकालीन सुसंगत भविष्य की रूपरेखा एवं कार्ययोजना के रूप में प्रस्तुत किया है। विकसित भारत की संकल्पना मुख्य रूप से दो आधारों पर टिकी है। इसमें पहला आधार है आकांक्षी भारत और दूसरा आशाओं से उद्भूत भारत। विकसित होने की आकांक्षा ही वह भावनात्मक शक्ति होती है, जो किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाती है। बीते एक दशक में पीएम मोदी के अनेक संबोधनों एवं कार्यों ने जनता में विकसित होने की अदम्य अभिलाषा विकसित की है। यह अभिलाषा आधार तल से शीर्ष तक सभी जनसमूहों में समान रूप से दिखती है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ने भी गरीब एवं अति पिछड़े लोगों में आकांक्षा की भावना पैदा की है। यही आकांक्षा भाव लोगों में विकास के परम लक्ष्य के लिए समर्पित होने की कामना पैदा करता है। इस प्रकार विकसित भारत के दो मूल तत्व आशा एवं आकांक्षा हैं। आशा एवं आकांक्षा मिलकर लोगों में भविष्य का बोध जागृत करती हैं। यही भविष्य का बोध आज के विकसित भारत का मूलाधार है, जो आर्थिक, सांस्कृतिक, ज्ञान एवं अध्यात्म के क्षेत्र में भारत की प्रगति में परिलक्षित हो रहा है।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ, वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते, तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके, ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा, बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया, और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते, यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात देखा गाया, भगवान-राम का दिव्य जीवन)

भाग 6

गतांक से आगे .....

भगवान राम का गृह-शिक्षण

मझे वह काल स्मरण आता है, प्रायः ऐसा दृष्टिपात आता है जैसे कोई सन्यासी यज्ञशाला में विद्यमान है। वह माता प्रातः कालीन अग्न्याधान करती। सूर्य की किरणों के साथ अपने नेत्रो में ज्योति का प्रकाश ग्रहण करती थी। जब बाल्य गर्भ से पृथक हो गया, तो माता कौशल्या प्रातःकाल याग करने लगी। बालक को लोरियां देती रहती थी और उनका वर्चोसि का पठन-पाठन चलता रहता। आत्मा वर्चोसि है।, आग्नेय है, अग्न्याधान हो रहा है, समिधा के द्वारा अग्नि का चयन कर रहे है। उस अग्नि के चयन को कौन कर रहा है, अग्नि का चयन माता कर रही है, बालक दृष्टिपात कर रहा है। मेरी मा! तू कितनी भोली है, तू अपने जीवन को कितना कर्मठ बना सकती है, कितना प्रतिष्ठित बना सकती है, तेरे जीवन की धारा महान बन सकती हैं, माता कौशल्या ने तीन वर्ष के बाल्य राम को याग की सर्वत्र भूमिका वर्णित करा दी थी और वह तीन वर्ष का बालक वेदों की ध्वनि गा रहा है, अर्थात याग कर रहा है, समिधा के साथ अग्न्याधान कर रहा है। प्रवचन संदर्भ नवम्बर 1976 भगवान राम आठ वर्ष की अवस्था से याग करते थे और वह वेदों को ध्वनि रूपों में गाते थे। एकान्त स्थली पर विद्यमान है, वशिष्ठ के चरणों में है और वेद का गायन चल रहा है, रात्रि समय जब भी राम को दृष्टिपात करते होते, तो वह गान ही गाते दृष्टिपात आते थे। माता कौशल्या का जीवन भी सफल हुआ।

एक समय भगवान राम से महर्षि वर्तेन्तु ने कहा था-हे राम! तुम हर समय गाते रहते हो। इसका कारण क्या है? यह विद्या तुमने कहां से प्राप्त की ? भगवान राम कहते है कि-माता ने मुझे इस योग्य बनाया है। ऋषियों की कृपा से मेरी माता ने मुझे पाया

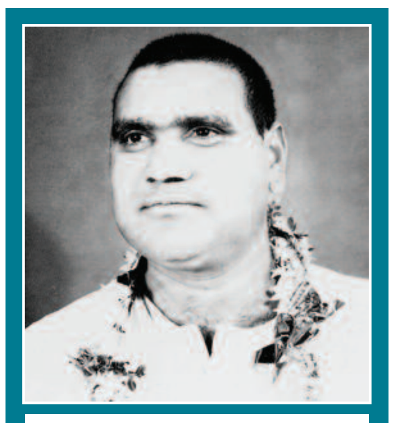

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

है, मै सदैव उस महान देव का गायन गाता रहता हूँ, जिसने वेद जैसी पवित्र विद्या इस संसार में प्रकाशित की है, उसको पान करता रहता हूँ, आभा में रमण करता रहता हूँ, उसी में मेरी प्रतिष्ठा बनी रहती है, क्योंकि माता ने मेरा निर्माण किया है मझे आभा से युक्त बनाया है, इसलिए मैं सदैव उसको जानने के लिए तत्पर रहता हूँ।

ऋषि वर्तेन्तु मौन हो गये और उन्होंने कहा-धन्य है, भगवान राम का जीवन आठ वर्ष से याज्ञिक बना और जब भगवान राम वन चले गये, तो वहां भी याग चलता था। समिधाओं के द्वारा अग्नि प्रदीप्त हो रही है। परमाणुवाद को शुद्ध किया जा रहा है।

(प्रवचन सन्दर्भ28-09-1981)

गुरू वशिष्ठ-आश्रम में शिक्षण

त्रेता के काल में जब भगवान राम वशिष्ठ के द्वार पंहुचे। विद्यालय में जब प्रवेश कराये गये, तो भगवान राम को प्रथम वशिष्ठ ने याग की प्रक्रिया वर्णित कराई। राम ने उसी प्रक्रिया को ले करके, उसी याग को ले करके अपने जीवन में षोडश कलाएं, जो मानव में सुषुप्ति में रहती है, उनको जागरूक करने को प्रयास किया। भगवान राम बारह कलाओं के जानने वाले कहलाते थे और वे बारह कलाए, जिनको धारण करने वाले भगवान राम ने राष्ट्र, समाज और अपने जीवन को महान बनाने का प्रयास किया।

महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज के यहाँ राम जिस काल में अध्ययन करते रहते थे, उस समय नाना ब्रह्मचारी भोजन के समय, ऋषि के आश्रम में एक पंक्ति में विद्यमान होकर भोजन का पान कर रहे है। एक समय महर्षि व्रेतकेतु महाराज के पुत्र शोभनी ब्रह्मचारी को शंका उत्पन्न हुई। प्रातः काल का समय था, याग के पश्चात उन्होंने एक प्रश्न किया-महाराज! हम सब बाल्य एक पंक्ति में विद्यमान होकर भोजन का पान करते है। राम का जीवन राष्ट्रीयता में पनपा और हमारा जीवन ऋषि-मुनियों के आगंन में, भयंकर वनों में पनपा हैं, वनों में हमारी वृतियां निहित रही है। हम यह जानना चाहते है कि प्रभु! इन दोनों का समावेश कैसे हो सकता है, एक राष्ट्रीयता हैऔर एक वनचर है, दोनों का समावेश कैसे हो सकता है ? क्रमशः......

दिल्ली जीतकर भारतीय जनता पार्टी ने दिखाई धमक

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल कर अपनी धमक दिखायी है। 1998 में भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव हार गई थी। उसके बाद इस बार के चुनाव में ही भाजपा जीत कर अपनी सरकार बनाने वाली है। लगातार छह बार विधानसभा चुनाव में हारने से भाजपा के लिए इस बार के दिल्ली विधानसभा के चुनाव बड़ी प्रतिष्ठा के सवाल बने हुए थे। इसीलिए भाजपा ने दिल्ली विधानसभा के चुनाव में जीत हासिल करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिया था। इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने दिल्ली में मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया सहित आम आदमी पार्टी के कई दिग्गज नेताओं को हराकर अपनी पुरानी हार का बदला ले लिया है।

पिछले लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने करीबन 30 विपक्षी दलों को साथ लेकर भाजपा के खिलाफ एक मजबूत इंडिया गठबंधन बनाया था। जिसमें शामिल सभी विपक्षी दलों ने ज्यादातर सीटों पर एक साथ मिलकर चुनाव लड़कर भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। लोकसभा चुनाव में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन को 293 लोकसभा सीट ही मिल पाई थी। जबकि 400 पार का नारा देने वाली भाजपा महज 240 सीटों पर सिमट गई थी। वहीं इंडिया गठबंधन ने 236 सीटे जीती थी। कांग्रेस 53 सीटों से बढ़कर 99 सीटों पर पहुंच गई थी। इसी तरह समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में 5 सीटों से बढ़कर 37 सीटों पर पहुंच गई थी।

हालांकि एनडीए गठबंधन में शामिल साथी दलों के सहयोग से भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार केन्द्र में सरकार बनाने में सफल रही। मगर सामान्य बहुमत से दूर रहने के चलते भाजपा का मनोबल काफी कमजोर हो रहा था। वहीं इंडिया गठबंधन में शामिल विपक्षी दलों की लोकसभा में संख्या बढ़ने से वह सरकार पर जोरदार हमला कर रहा था।

लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस को पूरा भरोसा था कि उनकी पार्टी की सरकार बनेगी। इसलिए कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव से इतर विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी से समझौता नहीं कर अकेले ही चुनाव मैदान में उतरी थी। मगर हरियाणा विधानसभा के चुनाव में भाजपा ने 48 सीटे जीतकर कांग्रेस को करारी शिकस्त दी थी। हरियाणा में जीत से देशभर में भाजपा नेताओं व कार्यकताओं का मनोबल

भी बढा। भाजपा ने हरियाणा में जहां लगातार तीसरी बार सरकार तो बनायी ही इसके साथ ही अब तक की सबसे अधिक 48 सीट जीत कर यह दिखा दिया कि लोकसभा चुनाव परिणाम से भाजपा के कार्यकर्ता निराश नहीं है। उसके बाद महाराष्ट्र व झारखंड विधानसभा के चुनाव संपन्न हुए। महाराष्ट्र में भाजपा ने अब तक की सबसे अधिक सीटे जीतकर एक नया रिकॉर्ड बनाया। झारखंड में भाजपा चुनाव हार गई। मगर महाराष्ट्र में भाजपा की बड़ी जीत में झारखंड की हार दब कर रह गई। महाराष्ट्र में भाजपा ने अकेले 132 सीटे जीती जो अब तक की सबसे अधिक थी। वहीं भाजपा के सहयोगी शिवसेना व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भी करीबन 100 सीट जीतकर महाराष्ट्र में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद चंद्र पवार व शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे को मात्र 46 सीटों पर समेट दिया। हरियाणा व महाराष्ट्र चुनाव भाजपा के लिए एक नई संजीवनी साबित हुए थे। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन महाराष्ट्र में महज 17 सीट ही जीत पाया था। मगर विधानसभा चुनाव में मिली बंपर जीत ने लोकसभा चुनाव की हार को भुला दिया।

हाल ही में दिल्ली विधानसभा के चुनाव में भी भाजपा ने पहली बार 48 सीट जीतकर एक नया इतिहास रचा है। दिल्ली विधानसभा में भाजपा पिछले 26 वर्षों से सत्ता से बाहर थी। दिल्ली में 1998, 2003 व 2008 में लगातार तीन बार कांग्रेस की सरकार बनी थी। वहीं 2013, 2015 व 2020 में लगातार तीन बार आम आदमी पार्टी की सरकार बनी थी। 2015 में महज 3 सीट व 2020 में मात्र 8 सीट जीतने वाली भाजपा ने इस बार 48 सीट जीतकर अपनी ताकत का अहसास करवाया है। हालांकि 2014, 2019 व 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा दिल्ली की सभी 7 सीटे जीतकर हैट्रिक बना चुकी है। मगर विधानसभा चुनाव में लगातार 6 बार सत्ता से बाहर रहने के कारण भाजपा इस बार हर हाल में दिल्ली में अपनी सरकार बनाना चाहती थी। इसके लिए भाजपा के सभी नेता व कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। यदि भाजपा इस बार भी दिल्ली में चुनाव हार जाती तो आगे आने वाले बिहार, असम विधानसभा के चुनाव में उसे नुकसान उठाना पड़ सकता था। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 48 सीटों के साथ 45.56 प्रतिशत वोट भी प्राप्त किये है। जो भाजपा का अब तक का सर्वोच्च आंकड़ा है। पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में जहां भाजपा की 40 सीट बढ़ गई है। वहीं उसका वोट प्रतिशत भी 7.38 प्रतिशत बढ़ा है।

इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने दिल्ली में मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया सहित आम आदमी पार्टी के कई दिग्गज नेताओं को हराकर अपनी पुरानी हार का बदला ले लिया है।

भाजपा को कुल 46 लाख 23 हजार 110 वोट मिले हैं। वहीं आम आदमी पार्टी महज 22 सीटों पर ही सिमट गई। उसे 43.57 प्रतिशत मत मिले हैं। जो पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में 10 प्रतिशत कम हैं। आम आदमी पार्टी को 41 लाख 33 हजार 898 वोट मिले हैं। इस बार दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के लिए भाजपा ने चुनावों के दौरान आम आदमी पार्टी की आपदा पार्टी वाली छवि बना दी थी। पार्टी के बड़े नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया सत्येंद्र जैन, संजय सिंह को भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाने को भाजपा ने बड़ा मुद्दा बना कर दिल्ली की जनता को आम आदमी पार्टी की वास्तविकता से रूबरू करवाया। इसके साथ ही अरविंद केजरीवाल द्वारा मुख्यमंत्री आवास में करवाए गए कार्यों को भाजपा ने शीशमहल कहकर प्रचारित किया। जिससे दिल्ली के आम मतदाताओं को लगने लगा कि जिस पार्टी को वह अपनी हमदर्द पार्टी मानकर लगातार तीन बार से चुनाव जीतवा रहा है। उस पार्टी के नेता भी अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं की तरह भ्रष्टाचार करने लगे हैं। मतदाताओं की यह सोच आम आदमी पार्टी के खिलाफ गई और उसे चुनाव में करारी पराजय झेलनी पड़ी। दिल्ली विधानसभा के चुनाव में इस बार मतदाताओं ने दलबदलुओं को भी उनकी औकात दिखा दी। 24 दलबदलू नेता भाजपा, आप व कांग्रेस पार्टी से टिकट प्राप्त कर चुनाव मैदान में उतरे थे। जिनमें से महज नो नेता ही चुनाव जीत सके। बाकी 15 प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा।

दलबदलुओं में छह भाजपा के निशान पर व तीन आप पार्टी के निशान पर जीते हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल के मुकाबले भाजपा ने किसी स्थानीय नेता की बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि पर चुनाव लड़ा और जीता।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीतने के बाद भाजपा के कार्यकर्ता उत्साह से लबरेज नजर आ रहे हैं। दिल्ली चुनाव के नतीजे आने के बाद भाजपा ने राजस्थान में कैबिनेट मंत्री डॉक्टर किरोडी लाल मीणा व हरियाणा में कैबिनेट मंत्री अनिल विज को उनके पार्टी विरोधी बयानों पर कारण बताओ नोटिस जारी कर यह जता दिया कि भाजपा में अनुशासन की लक्ष्मण रेखा पार करने का किसी को भी अधिकार नहीं है। चाहे वह कितना ही बड़ा नेता क्यों ना हो। यदि कोई पार्टी का अनुशासन तोड़ेगा तो उसके खिलाफ कार्यवाही होगी।

किरोड़ीलाल मीणा, अनिल विज को नोटिस भी दिल्ली जीत के बाद ही दिया गया है। यदि दिल्ली में भाजपा चुनाव हार जाती तो शायद ही इतना बड़ा कदम उठा पाती। कई राज्यों के विधानसभा चुनाव में लगातार जीतने से जहां भाजपा नेताओं का मनोबल बढ़ा हुआ है। वही इंडिया गठबंधन में आपसी आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। यदि विपक्षी दलों में खींचतान बढ़ती है तो आगे आने वाले विधानसभा चुनावों में उसका फायदा भी भाजपा को ही मिलना सुनिश्चित लग रहा है।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादकः चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइलः 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

उत्तर प्रदेश ने कठिन कार्य को भी सरलतापूर्वक बनाया संभव: गडकरी

केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राज्यमार्ग मंत्री ने पत्नी व परिवार समेत रविवार को त्रिवेणी संगम में लगाई आस्था की डुबकी

महाकुम्भनगर। तीर्थराज प्रयागराज में महाकुम्भ-2025 के महासमागम की दिव्यता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। प्रतिदिन यहां दिग्गजों का तांता लगा रहता है जो पुण्य की डुबकी लगाकर खुद को धन्य मानते हैं। इसी क्रम में, रविवार को केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राज्यमार्ग मंत्री नितिन गडकरी पत्नी व परिवार समेत त्रिवेणी संगम में स्नान करके खुद का जीवन धन्य माना। प्रयागराज एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद सीएम योगी ने उनका स्वागत कर अंगवस्त्र भेंट कर अभिनंदन किया। इसके उपरांत, गडकरी त्रिवेणी संगम पहुंचे जहां उन्होंने पत्नी व परिवार के साथ विधिवत स्नान व पूजन-अर्चन किया। गडकरी त्रिवेणी संगम में स्नान कर अभिभूत दिखे और यह प्रसन्नता उनके चेहरे पर स्पष्ट रूप से देखी जा सकती थी। उन्होंने योगी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने इतने बड़े पैमाने पर होने वाले कार्यक्रम के लिए इतनी अच्छी व्यवस्था की है जो सरल नहीं है।

उनके अनुसार, यह प्रयास कड़ी मेहनत का हैं परिणाम है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन के काफी मेहनत की है जो स्पष्ट तौर पर दिख रही है। यही कारण है कि देशभर से लोग इस महासमागम में आने को लेकर उत्साहित व आनंदित हैं और खुद आकर यहां मिल रही अभूतपूर्व व्यवस्था का साक्षात्कार करना चाहते हैं।

त्रिवेणी पर स्नान कर कल्याण की कामना की

गडकरी ने त्रिवेणी स्नान को लेकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि महाकुम्भ महापर्व देश भर की आस्था का केंद्र है। यही कारण है कि देशभर से लोग यहां गाड़ी लेकर आ रहे हैं। गडकरी ने बताया कि मेरे शहर नागपुर से भी हजारों लोग गाड़ियां लेकर यहां आए हैं। मेरे साथ कैबिनेट के सहयोगी भी साथ आए हैं। यहां के प्रशासन, पुलिस व कर्मचारियों ने अभूतपूर्व व्यवस्थाएं की हैं। मां गंगा में आशीर्वाद हम सबको प्राप्त हो। निश्चित रूप से विश्व के कल्याण हो, सबका कल्याण हो यही हमारी भावना है। गडकरी ने त्रिवेणी संगम में पत्नी व परिवार के साथ स्नान किया और गंगा जल का आचमन कर सबके कल्याण की प्रार्थना की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तस्वीरें व वीडियो की साझा

गडकरी ने एक्स व फेसबुक समेत विभिन्न सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भी स्नान व पूजन की वीडियो व तस्वीरें साझा कीं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स व फेसबुक पर उन्होंने लिखा, प्रयागराज...हर हर गंगे। प्रयागराज महाकुम्भ में आज पवित्र संगम में स्नान व पूजन-अर्चन का सौभाग्य प्राप्त हुआ, पवित्र निर्मल मां गंगा का आशीर्वाद मिला। गडकरी ने सीएम योगी से मुलाकात का वीडियो भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर शेयर किया और लिखा कि महाकुम्भ में पवित्र स्नान के लिए प्रयागराज आगमन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज हवाई अड्डे पर स्वागत किया।

- **पुण्य की डुबकी लगाने के साथ ही गडकरी ने माता गंगा से की सभी के कल्याण की कामना, बोले: सब को मिले मां गंगा का आशीर्वाद**
- **महाकुम्भ-2025 में योगी सरकार द्वारा की गई तैयारियों व व्यवस्थाओं से प्रसन्न गडकरी ने जमकर की प्रशंसा**

महाकुम्भ में डुबकी लगाकर अभिभूत हुईं राज्यपाल, कहा- वर्षों तक नहीं भूल पाएंगे दिव्य अनुभव

- **उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने रविवार को त्रिवेणी संगम में लगाई पुण्य की डुबकी**

महाकुम्भनगर। तीर्थराज प्रयागराज में महाकुम्भ-2025 के महासमागम में रविवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। रविवार को उन्होंने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई और महाकुम्भ में सम्मिलित होने के अवसर को उन्होंने विशिष्ट बताया। त्रिवेणी संगम में स्नान के साथ ही बड़े हनुमान मंदिर, अक्षयवट और सरस्वती कूप में विधिवत दर्शन-पूजन व अर्चन किया।

महाकुम्भ में डुबकी लगाकर अभिभूत हुईं राज्यपाल ने कहा यह एक अलग प्रकार का दिव्य अनुभव है जो वर्षों तक स्मृतियों में रहेगा। उन्होंने कहा कि डुबकी लगाने के बाद एक विशिष्ट प्रकार का अनुभव हो रहा है जो तीर्थराज प्रयागराज की आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार उनमें कर रहा है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल रविवार को प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचीं। एयरपोर्ट से हेलिकॉप्टर के जरिए वह डीपीएस अरैल पहुंचीं जहां रिजर्व्ड हेलिपैड पर उनका हेलिकॉप्टर उतरा। यहां से अरैल घाट से मोटर फ्लोटिंग जेटी के जरिए वह त्रिवेणी संगम पहुंची जहां उन्होंने विधिवत स्नान व पूजन-अर्चन किया। इसके बाद मोटर फ्लोटिंग जेटी के जरिए उन्होंने किला घाट पहुंचकर अक्षयवट का पूजन-अर्चन किया। इसके उपरांत, सरस्वती कूप व बड़े हनुमान मंदिर में भी उन्होंने विधिवत पूजन-अर्चन किया।

योगी सरकार व स्थानीय प्रशासन के प्रयासों को राज्यपाल ने सराहा

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि तीर्थराज प्रयागराज न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि सारे देश और विश्व की आस्था के केंद्र में है। ऐसे में, देश-दुनिया से करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु यहां आ रहे हैं। इस सारी व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने के लिए योगी सरकार और स्थानीय प्रशासन बधाई का पात्र है। उन्होंने प्रयागराज आकर विभिन्न घाटों पर स्नान करने वाले स्नानार्थियों की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि जिस प्रकार सुव्यवस्थित तरीके से लोग स्नान करके अपने गंतव्य स्थलों को जा रहे हैं वह अद्भुत है।

महाकुम्भ की व्यवस्थाओं को लेकर संत गद्‌गद, सीएम योगी आदित्यनाथ को दिया श्रेय

प्रयागराज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संतों से किया संवाद

महाकुम्भ नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को प्रयागराज स्थित महाकुम्भ नगर पहुंचे, यहां उन्होंने विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया और साधु संतों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने यहां जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरी से भेंट कर महाकुम्भ की व्यवस्थाओं पर चर्चा की। इसके बाद वे सदाफल आश्रम स्थित स्वर्वेद महामंदिर ट्रस्ट पहुंचे, जहां उन्होंने साधु-संतों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने संत समाज के साथ संवाद कर महाकुम्भ की व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया और संतों ने योगी सरकार की तैयारियों की सराहना की। मुख्यमंत्री सेक्टर 21 में प्रसिद्ध कथावाचक प्रदीप मिश्रा की कथा में शामिल हुए। यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिन्होंने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद वे सेक्टर 18 स्थित प्रभु प्रेमी संघ अंबाला शिविर पहुंचे, जहां संतों का सानिध्य प्राप्त किया। महाकुम्भ 2025 का यह आयोजन 144 वर्षों के पुण्य संयोग में हो रहा है, जिसमें अब तक करीब 52 करोड़ श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में पुण्य की डुबकी लगा चुके हैं। दिव्य और भव्य महाकुम्भ की सराहना न केवल देशभर के श्रद्धालु कर रहे हैं बल्कि विदेशी पर्यटक भी इसकी भव्यता से प्रभावित हुए बिना नहीं रह पा रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धालुओं और साधु-संतों से संवाद करते हुए कहा कि सरकार ने महाकुम्भ की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए हर प्रयास किए हैं। उन्होंने संत समाज और श्रद्धालुओं को आश्वस्त किया कि आने वाले समय में भी धार्मिक आयोजनों को इसी भव्यता और दिव्यता के साथ संपन्न किया जाएगा।

- **कथावाचक प्रदीप मिश्र और जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरी से की मुलाकात**

महाकुम्भ, सनातन सभ्यता, संस्कृति, दर्शन और हमारी शाश्वत परंपराओं की जीवंतता का प्रमाण: धर्मेंद्र प्रधान

महाकुम्भ नगर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को प्रयागराज के पवित्र त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। उन्होंने महाकुम्भ 2025 में शामिल होने को सौभाग्य बताया। उन्होंने कहा, 'हमें सौभाग्य प्राप्त हुआ है कि महाकुम्भ 2025 में भाग लेने का अवसर मिला। हम यहां आकर बेहद खुश हैं। त्रिवेणी संगम में पुण्य स्नान करने के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, महाकुम्भ, सनातन सभ्यता, संस्कृति, दर्शन और हमारी शाश्वत परंपराओं की जीवन्तता का प्रमाण है। मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की दिव्य धाराओं के संगम में सपरिवार आस्था की डुबकी लगाना मेरा असीम सौभाग्य है। एकता के महाकुम्भ में अमृत स्नान मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभूति है। मां गंगा सभी का कल्याण करें, यही कामना है।प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय तथा परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने भी त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान किया। मंत्रियों ने मां गंगा का विधिवत पूजन कर राष्ट्र और जनकल्याण की कामना की।

- **केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने त्रिवेणी संगम पर किया स्नान, महाकुम्भ 2025 में शामिल होने पर जताई खुशी**

मुख्यमंत्री की श्रद्धालुओं से अपील

महाकुंभ में यातायात और स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में दें सहयोग

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ प्रयागराज में आ रहे सभी श्रद्धालुओं से यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ आस्था का महापर्व है, जिसमें पूरे देश और दुनिया के लोग भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। ऐसे में सभी का सकारात्मक सहयोग इस आयोजन की सफलता को कई गुना बढ़ा सकता है। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया कि वे अपने वाहनों को सड़कों पर खड़ा न करें, बल्कि निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करें, जिससे सभी को पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाने का सुगम अवसर मिल सके। मुख्यमंत्री ने संतों, आश्रमों और विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं से अपील की कि वे भंडारे और प्रसाद वितरण की पवित्र व्यवस्था को अनवरत जारी रखें, ताकि सभी श्रद्धालु इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने महाकुंभ में स्वच्छता बनाए रखने की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि यह हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

महाकुम्भ में नेपाल से आए 85 वर्षीय श्रद्धालु को इस्केमिक स्ट्रोक, 6 एक्सपर्ट डॉक्टरों ने बचाई जान

नेपाल की बेटी ने सीएम योगी और एसआरएन के चिकित्सकों को बताया जीवन रक्षक

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ में उमड़े श्रद्धालुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार के प्रयास रंग ला रहे हैं। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन अस्पताल) के चिकित्सकों ने इस्केमिक स्ट्रोक से पीड़ित एक नेपाल निवासी 85 वर्षीय श्रद्धालु की जान बचाने में सफलता पाई। अस्पताल के वरिष्ठ न्यूरो फिजिशियन डॉ. कमलेश सोनकर और उनकी 06 एक्सपर्ट डॉक्टरों की पूरी टीम की तत्परता और कुशल उपचार के चलते 85 वर्षीय रामधनी अब पूरी तरह सुरक्षित हैं। नेपाल के रहने वाले बुजुर्ग की बेटी ने सीएम योगी और एसआरएन के चिकित्सकों को पिता का जीवन रक्षक बताया है। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां महाकुम्भ में बहुत ही उच्च स्तरीय चिकित्सा इंतजाम किए हैं।

जिसके तहत यहां तैनात विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उनके पिता को बचा लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के तहत महाकुम्भ को ध्यान में रखते हुए यहां अस्पतालों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। एसआरएन अस्पताल का ट्रॉमा सेंटर हाईटेक इमेजिंग तकनीक, अनुभवी चिकित्सकों और तेज आपातकालीन सेवाओं के कारण मरीजों के लिए संजीवनी साबित हो रहा है। एसआरएन ट्रॉमा सेंटर के सह-नोडल अधिकारी डॉ. राजकुमार चौधरी ने बताया कि महाकुम्भ को देखते हुए अस्पताल की सुविधाओं में लगातार सुधार किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता है कि महाकुम्भ में आए हर श्रद्धालु को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवाएं मिलें। मरीज की बेटी रीता ने डॉ. कमलेश सोनकर, डॉ. प्रभात सिंह, डॉ. अर्चना ओझा, डॉ. संदीप, डॉ. सुजीत, डॉ. तेज प्रताप और पूरी न्यूरोलॉजी टीम का आभार व्यक्त किया।

थ्रॉम्बोलाइसिस प्रक्रिया से इलाज

नेपाल के लुंबिनी निवासी रामधनी महाकुम्भ में मौनी बाबा आश्रम, शांति कुटिया में एक माह से राम नाम जप रहे थे। 14 फरवरी की रात में अचानक उन्हें दाहिने हिस्से में कमजोरी, बोलने में कठिनाई और हल्की बेहोशी महसूस हुई। परिजनों ने तुरंत उन्हें एसआरएन अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। जहां विशेषज्ञों ने जांच के बाद पाया कि उन्हें इस्केमिक स्ट्रोक हुआ है। डॉ. कमलेश सोनकर और उनकी टीम ने तुरंत थ्रॉम्बोलाइसिस प्रक्रिया शुरू कर ब्लॉकेज हटाया, जिससे मरीज की हालत खतरे से बाहर हो गई।

प्रयागराज महाकुंभ में 45 दिन के प्रवास के बाद श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज भगवान दूधेश्वर की सेवा में हाजिर हुए

श्री दूधेश्वर वेद विद्यापीठ के आचार्यो, विद्यार्थियों, मंदिर के पुजारियों, स्वयंसेवकों व भक्तों ने महाराजश्री का स्वागत अभिनंदन किया

गरूशाला में जाकर गौमाता की सेवा की, श्री दूधेश्वर वेद विद्यापीठ का निरीक्षण कर आचार्यो व विद्यार्थियों का हाल-चाल जाना

गाजियाबाद। श्री दूधेश्वर नाथ मंदिर के पीठाधीश्वर, श्री पंच दशनाम जूना अखाडा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता, दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व हिंदू यूनाइटिड फ्रंट के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज प्रयागराज महाकुंभ में 45 दिन के कल्पवास के बाद रविवार को ऐतिहासिक सिद्ध पीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर पहुंचे तो उनका जोरदार स्वागत अभिनंदन किया। श्री दूधेश्वर वेद विद्या पीठ के आचार्यो, विद्यार्थियों, मंदिर के पुजारियों व स्वयंसेवकों के साथ बडी संख्या में मौजूद भक्तों ने महाराजश्री का स्वागत अभिनंदन कर उनसे आशीर्वाद लिया। महाराजश्री ने मंदिर पहुंचने पर भगवान दूधेश्वर की पूजा कर उनका अभिषेक किया। भगवान राम, भगवान कृष्ण, भगवान सत्यनारायण, हुनमान भगवान, मांग दुर्गा समेत सभी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की व गुरू मुर्तियों की सिद्ध समाधियों को मत्था टेका। महाराजश्री मंदिर की गौशाला पहुंचे तो उन्हें देखते ही गौमाता प्रसन्न हो गईं। उन्होंने गौमाता की सेवा की व उन्हें अपने हाथों से उन्हें भोजन कराया। श्री दूधेश्वर वेद विद्या पीठ के निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ उनका स्वागत किया।

महाराजश्री ने सभी आचार्यो व प्रत्येक विद्यार्थी से मिलकर हालचाल जाना। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, लगन के साथ अपने लक्ष्य को प्रापत करने का संदेश दिया। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज की प्रेरणा से प्रयागराज महाकुंभ में श्री दूधेश्वर नाथ महादेव मठ मंदिर द्वारा सेक्टर 20 संगम लोअर मार्ग पर शास्त्री ब्रिज के नीचे कुंभ मेला क्षेत्र में श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर लगाया गया था। शिविर 1 जनवरी से 12 फरवरी तक चला। इस दौरान देश-विदेश के हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन शिविर में पहुचे और शिविर में पुजा-अर्चना कर महाराजश्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक व अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज के मार्गदर्शन व महाराजश्री की अध्यक्षता में श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर ने प्रयागराज महाकुंभ में नर सेवा नारायण सेवा की ऐसी मिसाल कायम की कि देश ही नहीं पूरे विश्व में उसकी सराहना हो रही है। शिविर में एक लाख जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए। प्रतिदिन हजारों जरूरतमंदों के लिए चाय-नाश्ते से लेकर खाने की व्यवस्था की गई।

- **महाराजश्री की अध्यक्षता में श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर ने प्रयागराज महाकुंभ में नर सेवा नारायण सेवा की मिसाल कायम की**
- **महाशिवरात्रि पर्व तक भगवान दूधेश्वर की सेवा करेंगे, उसके बाद काशी के लिए रवाना होंगे**

स्वयं श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने उनकी सेवा की। महाराजश्री ने कहा कि नारायण का वास तो हर जीव व कण-कण में है। नर रूपी नारायण की सेवा करने से ही हमें नारायण की प्राप्ति हो सकती है। महाराजश्री को प्रयागरात महाकुंभ के बाद काशी प्रवास के लिए प्रस्थान करना था, मगर वे रविवार को पहले दूधेश्वर भगवान की सेवा में पहुंचे। महाराजश्री ने कहा कि भगवान दूधेश्वर की सेवा ही उनके जीवन का उददेश्य है। उनकी सेवा के बिना एक क्षण भी नहीं रह सकते हैं। प्रयागराज महाकुंभ में भी उन्होंने भगवान दूधेश्वर के प्रतीक की नित्य सेवा की। 26 फरवरी को महाशिव रात्रि पर्व भी है। इसी के चलते भगवान दूधेश्वर की सेवा हेतु व महाशिवरात्रि पर्व के लिए व्यवस्था बनाने के लिए वे रविवार को श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर पहुंचे। महाशिवरात्रि पर्व के बाद वे काशी के लिए रवाना होंगी और होली पर्व तक वहीं प्रवास कर पुनः भगवान दूधेश्वर की सेवा में हाजिर होंगे। महाराजश्री के मंदिर पहुंचने की जानकारी मिलते ही शहर के सैकडों श्रद्धालु मंदिरों पहुंचे और पूजा-अर्चना के बाद महाराजश्री से भेंटकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

मिजोरम के राज्यपाल वीके सिंह ने दी गाजियाबाद की जनता को 50 ओपन जिम की सौगात

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। मिजोरम के राज्यपाल और पूर्व सांसद एवं पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री जनरल डॉ० वी के सिंह ने गाजियाबाद वासियों को 50 ओपन जिम की सौगात दी है। गाजियाबाद लोकसभा की पाँचों विधानसभाओं में बनाए गए इन जिम में लोग कसरत कर अपने शरीर को सुडौल बना सकेंगे। जनरल वी के सिंह ने गत शुक्रवार को यह जिम अपने पूर्व लोकसभा क्षेत्र की जनता को समर्पित करते हुए कहा कि उनका गाजियाबाद से हमेशा लगाव रहेगा।

हाल ही में मिजोरम के राज्यपाल की शपथ लेने के बाद जनरल डॉ० वी के सिंह की यह पहली गाजियाबाद यात्रा थी। लगातार दस वर्षों तक गाजियाबाद लोकसभा के सांसद रहे जनरल डॉ० वी के सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान यहाँ के लोगों को कई सौगातें दीं थी। दिल्ली से मेरठ के लिए बन रही देश की पहली रैपिड रेल का तोहफा भी गाजियाबाद की जनता को जनरल सिंह के प्रयासों से ही मिल पाया था। इसके अलावा उनके कार्यकाल के दौरान गाजियाबाद लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाली सभी विधानसभाओं में कई विकास कार्य हुए हैं। माना जा रहा था कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से जनरल वी के सिंह को ही लगातार तीसरी बार गाजियाबाद लोकसभा सीट से उतारे जाने का मन बनाया जा चुका है। परंतु गत लोकसभा चुनावों में जनरल वी के सिंह की जगह भाजपा ने एकाएक ही गाजियाबाद सदर सीट से विधायक अतुल गर्ग को टिकट दे दिया था। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी ने गाजियाबाद लोकसभा सीट से जनरल वी के सिंह का टिकट काट दिया था परंतु इसके बावजूद गाजियाबाद की जनता से उनका व उनके परिवार का स्नेह लगातार बना रहा। शायद ही कोई अवसर होगा जब जनरल वी के सिंह और उनका परिवार गाजियाबाद वासियों के सुख-दुख में खड़े नजर नहीं आए हों।

गाजियाबाद में जनरल वी के सिंह का विरोधी गुट एकाएक बेहद मजबूत होकर उभरने लगा तो कयास लगाए जाने लगे थे कि पूर्व सांसद जनरल सिंह का राजनीतिक सूर्य अब अस्त हो गया है। परंतु केंद्र सरकार द्वारा गत दिनों उन्हें मिजोरम के राज्यपाल जैसी अहम जिम्मेदारी सौंपी तो उनके समर्थकों में खुशी की लहर उमड़ पड़ी। खुशी का आलम यह था कि जनरल डॉ० वी के सिंह ने गत माह जब मिजोरम के राज्यपाल पद की शपथ ली तो गाजियाबाद से उनके 40 समर्थक भी शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने राजधानी आईजोल पहुँचे थे।

गाजियाबाद और यहां के रहने वाले मेरा परिवार, हमेशा रहूंगा अपने परिवारजनों के बीचः वीके सिंह

50 ओपन जिम लोकापर्ण के बाद मीडिया से रूबरू हुए मिजोरम राज्यपाल वीके सिंह

- **मणिपुर में लगाये गये राष्ट्रपति शासन का किया स्वागत, हालात बदलने की जताई उम्मीदें**
- **दिल्ली विजय पर भाजपा नेतृत्व को दी बधाईयां**
- **बंगलादेश के मुद्दे पर बोले अभी हालात बदलने में लगेगा समय**

गाजियाबाद। मिजोरम के राज्यपाल एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री एव पूर्व सांसद व जनरल वीके सिंह ने शुक्रवार को जनपद गाजियाबाद आगमन पर जहां 50 ओपन जिम का विधिवत रूप से उदघाटन किया वहीं उन्होंने इस मौके पर मीडिया से रूबरू होते हुए कई गंभीर विषयों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने गाजियाबाद के सापेक्ष पूछे गये एक सवाल पर कहा कि गाजियाबाद और यहां के रहने वाले लोग मेरे परिवार की तरह हैं और वह हमेशा गाजियाबाद में परिवारजनों के बीच ही रहेंगे। राज्यपाल वीके सिंह ने कहा कि वह दस वर्षो तक गाजियाबाद में बतौर सांसद और केंद्र में मंत्री के रूप में रहें हैं और उनका यहां के लोगों से एक अलग ही लगाव है जो निरंतर जारी रहेगा।

मीडिया को संबोधित करते हुए मणिपुर में लगाये गये राष्ट्रपति शासन पर राज्यपाल वीके सिंह ने कहा कि उम्मीद है कि अब मणिपुर के हालातों में परिवर्तन देखने को मिलेगा। लंबे समय से मणिपुर में जो चल रहा था उस पर विराम लगेगा और प्रदेश की जनता को सुरक्षित रखने की दिशा में प्रभावी कदम उठाये जा सकेंगे। मेरा मानना है कि अब मणिपुर में जो कुछ हो रहा है उस पर रोकथाम लग सकेगी।

वीके सिंह ने कहा कि मिजोरम के लोगों को संविधान के तहत सुविधाएं एवं अधिकार मिलें उनकी प्राथमिकताओं में रहेगी। मिजोरम में टूरिज्म गतिविधियां बढ़े इस पर भी मेरा फोकस रहेगा।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली भाजपा को जीत पर राज्यपाल वीके सिंह ने कहा कि दिल्ली की जनता विकास को लेकर गंभीर पार्टी का चयन किया है और उन शक्तियों को उखाड़ फैंकने काम किया जो दिल्ली वासियों को निरंतर झूठ के सहारे छलने का काम कर रहे थे। गाजियाबाद आगमन पर राज्यपाल वीके सिंह का स्वागत किया गया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने सांसद अतुल गर्ग को लिखा पत्र

एयरलाईन कंपनियों को दी गई है उनके सुझाए मार्ग पर रूट संचालन की नसीहत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सांसद अतुल गर्ग ने हिंडन एयरपोर्ट से नये मार्गों पर उड़ानें संचालित करने को लेकर इससे संबंधित विभागों को हाल ही में पत्र लिखे थे। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के सदस्य प्रशासन डाक्टर शरद कुमार ने सांसद अतुल गर्ग के पत्र के जवाब में पत्र लिखा है। डाक्टर शरद कुमार ने इस पत्र में जानकारी दी है कि एयरलाइन कंपनियों को सांसद अतुल गर्ग के सुझाए गए मार्गों पर उड़ानें संचालित करने के निर्देश दे दिए गए हैं। उड़ानों का संचालन यात्रियों की मांग, वाणिज्यिक व्यवहारिता और विमानन कंपनियों की नीतियों पर ही निर्भर होगा।

गौरतलब है कि गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से पिछले लंबे समय से उड़ानें बंद पड़ी थीं। सांसद अतुल गर्ग अपने निर्वाचन के बाद से ही हिंडन एयरपोर्ट से दोबारा उड़ानें शुरू करवाने के लिए गंभीर प्रयास कर रहे थे। इसके लिए उन्होंने संबंधित विभागों को कई पत्र भी लिखे थे। सांसद अतुल गर्ग के गंभीर प्रयासों का असर भी हुआ और उन्होंने गत दस जनवरी को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर हिंडन एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू होने में आ रही मुश्किलों के हटने की जानकारी भी दी थी। इसमें उन्होंने लिखा था कि माननीय उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू के प्रयासों से इन उड़ानों में आ रही सभी प्रकार की कानूनी अड़चनें अब समाप्त हो गई हैं।

साथ ही सांसद अतुल गर्ग ने कहा था कि हिंडन एयरपोर्ट से जल्द उड़ानें शुरू करने के लिए वो स्वयं भी प्रयास कर रहे हैं। इस विषय में उन्होंने एयर इंडिया एक्सप्रेस के नेटवर्क प्लानिंग उपाध्यक्ष शशि चेटिया से वार्ता भी की थी और उन्होंने इस दिशा में जल्द ही कदम उठाने का आश्वासन दिया था। सांसद अतुल गर्ग गाजियाबाद की जनता को एक से बढ़कर एक सहूलियत देने के लिए हमेशा प्रयासरत रहते हैं। शहर के हिंडन एयरपोर्ट से पिछले लंबे समय से देश के कई शहरों के लिए बंद पड़ी हवाई सेवाओं के दोबारा शुरू होने का मार्ग सांसद अतुल गर्ग के गंभीर प्रयासों से प्रशस्त हुआ था।

इसी कड़ी में उन्होंने तीर्थराज प्रयागराज के लिए भी हिंडन एयरपोर्ट से जल्द ही उड़ान शुरू करने की मांग की थी। गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग ने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन को इस संदर्भ में हाल ही में एक पत्र भी लिखा था। सांसद अतुल गर्ग ने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन को लिखे इस पत्र में हिंडन एयरपोर्ट से प्रयागराज के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू करने की मांग की थी। हिंडन एयरपोर्ट से प्रयागराज के लिए सीधी सेवा शुरू होने के बाद गाजियाबाद के धार्मिक यात्रियों को खासी सुविधा हो जाएगी।

अतुल गर्ग ने गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू करवाने के लिए पूरे मन और लगन से प्रयास किया था। इस संबंध में अंतिम फैसला हो जाने के बाद हिंडन एयरपोर्ट से गोवा के अलावा बैंगलोर जैसे देश के कई प्रमुख शहरों के लिए आगामी एक मार्च से सीधी उड़ानों को मंजूरी मिल चुकी है। सांसद अतुल गर्ग का प्रयास है कि देश के अन्य प्रमुख शहरों के लिए भी हिंडन एयरपोर्ट से सीधी हवाई सेवा शुरू हो सके। डाक्टर शरद कुमार ने अतुल गर्ग को लिखे पत्र में जानकारी दी है कि एयरलाइन कंपनियों को अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी और लखनऊ के लिए भी जल्द ही सीधी हवाई सेवाएं शुरू करने के लिए कहा गया है।

सांसद अतुल गर्ग की सराहनीय पहल को केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी ने दी मंजूरी

नये बस अड्डे से दौलतपुरा लोहा मंडी तक तैयार होगी एलीवेटिड रोड

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सांसद अतुल गर्ग अपनी संसदीय पारी को यादगार बनाने की कवायद में जुटे हुए हैं । इसी के तहत सांसद अतुल गर्ग ने केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी से दिल्ली में मुलाकात की। मुलाकात के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी के समक्ष नये बस अड्डे से दौलतपुरा लोहा मंडी तक एलीवेटिड रोड का प्रस्ताव रखा। सांसद अतुल गर्ग की तरफ से रखे गये प्रस्ताव को केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी ने हरी झंडी दे दी है। केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी की हरी झंडी के बाद अब नये बस अड्डे से दौलतपुरा लोहा मंडी तक एलीवेटिड रोड का निर्माण किया जायेगा।

जनता दरबार लगाकर विधायक संजीव शर्मा ने की तहसील दिवस में जन सुनवाई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भाजपा अध्यक्ष संजीव शर्मा ने संगठन में रहते जिस प्रकार हर आयाम को सफल अंजाम देते हुए प्रदेश में अपनी एक पहचान बनाने का काम किया और फिर जनप्रतिनिधि के रूप में सदर विधायक बन जाने के बाद से ही अपनी उसी शैली में काम करते हुए अपने घर पर जनता दरबार लगा कर आम जनता की समस्याओं को हल करने की मुहिम में जुट गए। क्षेत्र की जनता को उनके इस कार्यशैली का सीधा लाभ भी मिल रहा है।

सदर विधानसभा में अपने कार्यशैली के आधार पर अपनी ओर से मजबूत शुरूआत के रूप में 15 फरवरी को तहसील दिवस में नेहरू नगर स्थित सामुदायिक केंद्र में अधिकारियों के साथ जन समस्याओं के निस्तारण हेतु बैठे। सदर विधायक संजीव शर्मा जन प्रतिनिधि चुने जाने के बाद लगातार जन सुनवाई कर रहे हैं। उनके आवास पर जनता दरबार का नियमित आयोजन होता ही है। जहां वह रोजाना सैकड़ों की संख्या में लोगों को सुनते हैं और उनकी समस्याओं का निस्तारण करते हैं। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए, उन्होंने आज तहसील दिवस में जनता की समस्याओं को सुना और उनका समाधान कराने की व्यवस्था बनाई।

तहसील दिवस के दौरान विधायक संजीव शर्मा की उपस्थिति में सभी विभाग के अधिकारीगण आम जनता की समस्याओं के निस्तारण हेतु वहां पर मौजूद रहे और संजीव शर्मा ने फरियादियों की शिकायत और परेशानी को दूर करने के लिए उपस्थिति एवं संबंधित अधिकारियों से त्वरित कार्रवाई कर ऑन द स्पॉट राहत देने का काम किया। जनप्रतिनिधि के रूप में इस तरह से किए जा रहे कार्य की काफी सराहना मिली ।फरियादियों की लंबी भीड़ निश्चित रूप से सदर विधायक संजीव शर्मा की कार्यशाली से प्रभावित होकर भी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु वहां पहुंची। मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने बताया विधायक संजीव शर्मा ने इस दौरान उपस्थित अधिकारियो से कहा है कि विभाग से संबंधित प्रमुख अधिकारी के न पहुंचने पर अब अगली समाधान बैठक में प्रमुख संबंधित अधिकारी को पहुंचना बेहद जरूरी है। सभी को जन समस्या निस्तारण करने के लिए एक अच्छे मन के साथ ही अपनी उपस्थिति देनी है। जनप्रतिनिधि के रूप में विधायक संजीव शर्मा के द्वारा इस कार्यशीलता से निश्चित रूप से जनता को उनकी परेशानियों से राहत मिलेगी और एक अच्छी सरकार का संदेश जनता तक पहुंचेगा।

आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट गाजियाबाद में 'बिजनेस सम्मिट-2025' का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। आई टी एस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, मोहन नगर, गाजिआबाद द्वारा दि 15/02/2025 को प्रातः 10 बजे से 'फ्यूचर ऑफ बिजनेस : अनलोकिंग द पोटेंशियल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग' विषय पर नौवी बिजनेस सम्मिट का आयोजन किया गया। समिट का उद्घाटन मुख्य अतिथि मि विकास खन्ना, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, हीरो इकोटेक लि, मि जगप्रीत ब्रार, डायरेक्टर, ह्यूमन कैपिटल एडवाइजरी सर्विसेज, के एम पी जी इंडिया गुरुग्राम, मि अमिताभ रंजन, रजिस्ट्रार, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, भारत सरकार नई दिल्ली, संस्थान के निदेशक डॉ अजय कुमार एवं सम्मिट कनवेनर डॉ अनुषा अग्रवाल द्वारा विधिवत दीप प्रज्वलित कर सम्पन्न किया गया।

निदेशक डॉ अजय कुमार ने सभी गणमान्य अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व और इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा इसे बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन और एम्प्लॉयमेंट क्रिएशन का बहुत बड़ा माध्यम बताया। हेल्थ केयर, फाइनेंशियल सर्विसेज तथा सप्लाई चेन में इसकी अहम भूमिका पर ध्यान आकर्षित किया। डॉ अनुषा अग्रवाल ने एक दिवसीय समिट के कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत की। मि अमिताभ राजन ने साइबर सुरक्षा और डाटा साइंस में इसके महत्वपूर्ण योगदान की चर्चा की साथ ही प्रतिभागियों से वर्तमान समय में कौशल विकास हेतु प्रोत्साहित किया। मि जगप्रीत ब्रार ने केएमपीजी इंडिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता तथा इस संदर्भ में डेमोक्रेटाइजेशन ऑफ बिजनेस एवं ऑगमेंटेड रियलिटी पर आधारित अपने विचार प्रकट किए। मुख्य अतिथि मि विकास खन्ना ने इसे कॉम्पेटिटिव एडवांटेजेज और चेंज एजेंट के रूप में परिभाषित किया साथ ही टायर इंडस्ट्री में इसकी उपयोगिता पर अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा किया। आई टी एस - द एजूकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा ने इस अवसर पर अपनी प्रसन्नता जाहिर की और सभी प्रतिभागियों को अपनी शुभकामना दी। आई टी एस- द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा ने सम्मिट के सभी आयोजको को बधाई दी तथा सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सचखंड नानक धाम में तीन दिवसीय समागम समारोह का आयोजन

- **डेढ़ सौ बेड के मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का हुआ शिलान्यास**
- **तीन दिवसीय नेत्र जांच शिविर में मोतियाबिंद का मुफ्त इलाज हो रहा है**

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लोनी। सचखंड नानक धाम में संत त्रिलोचन दास महाराज के सानिध्य में शुक्रवार से तीन दिवसीय 45वाँ दास धर्म संत समागम शुरू हुआ। जिसमें देश विदेश से हजारों श्रद्धालु इस संत समागम में पहुंचें हैं ।समागम में संत त्रिलोचन दास महाराज के द्वारा वचन कहे गए कि ईश्वर सबका भला करते है।

ईश्वर की कृपा सभी पर बरसती है जिसके साथ ईश्वर हो उसके लिए काटे भी फूल बन जाते है। संघर्षों में कभी घबराना नहीं बल्कि उनका सामना करना चाहिए। क्योंकि ये मौका उन्हीं को मिलता है ।जिनके साथ प्रभु का आशीर्वाद होता है ।इसलिए ईश्वर पर सब कुछ छोड़ो, सदा सत्कर्म करते रहो ये प्रवचन संत त्रिलोचन दास महाराज ने 45 वे दास धर्म संत समागम के अवसर पर सुनाते हुए सभी को अपने जीवन में इनका अनुकरण करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि ये जीवन नश्वर है आपके सत्कर्म ही आपके साथ जाते है।

इस दौरान उनके प्रवचन सुनने के लिए देश विदेश के हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे। सचखंड नानक धाम की बात की जाए तो ये एक ऐसा धाम है। जिसमें संत त्रिलोचन दास महाराज की कृपा से निरंतर सामाजिक और देश हित के कार्य किए जाते है। इसी क्रम में गरीबों के लिए मुफ्त इलाज प्रदान करने के उद्देश्य से डेढ़ सौ बेड के अस्पताल का शिलान्यास भी किया गया। साथ ही तीन दिवसीय नेत्र जांच शिविर का आयोजन कर मुफ्त मोतियाबिंद के ऑपरेशन के शिविर भी लगाए गए है। तीन दिन तक चलने वाले इस आयोजन में जहां श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ रहा है। वही राजनीतिक और सामाजिक हस्तियां पहुंच कर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है।

अल्प संख्यक मोर्चा के महानगर अध्यक्ष बल प्रीत सिंह , नेशनल रफ्तार के प्रधान संपादक यथार्थ शर्मा ने भी इस मौके पर पहुंचकर संत त्रिलोचन दास महाराज का आशीर्वाद लिया। इस दौरान सैकड़ो श्रद्धालुओं की भीड़ उपस्थित रही। इसके अलावा गुरुद्वारा के प्रांगण में लंगर प्रसाद पाते श्रद्धालु नजर आए।

सेहत/स्वास्थ्य

विटामिन डी की कमी से पीरियड्स साइकिल पर पड़ता है बुरा असर, जानिए कैसी रखें डाइट

आजकल महिलाओं को अनियमित पीरियड्स की समस्या काफी परेशान कर रही है। बता दें कि शरीर में कई विटामिन्स और मिनरल्स की कमी होने पर भी पीरियड्स साइकिल पर असर पड़ सकता है। या फिर पीरियड्स क्रैम्प्स बढ़ सकती है।

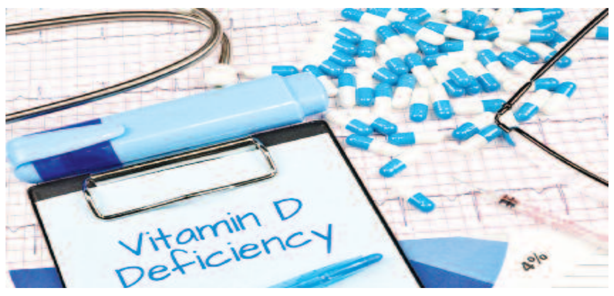

अनन्या मिश्रा

आजकल महिलाओं को अनियमित पीरियड्स की समस्या काफी परेशान कर रही है। महिलाओं को हर महीने पीरियड्स समय पर होना जरूरी होता है। वहीं पीरियड्स का डिले होना, समय से पहले होना या फिर पीरियड्स का स्किप होना तीनों ही सही नहीं माने जाते हैं। दरअसल, यह तीनों ही बातें हमारी सेहत से जुड़े कई संकेत देती है। ऐसे में अगर आपको पीरियड्स सही समय पर नहीं आते हैं या फिर पीरियड्स में फ्लो कम रहता है, तो शरीर में जरूरी न्यूट्रिएंट्स की कमी हो सकती है।

बता दें कि शरीर में कई विटामिन्स और मिनरल्स की कमी होने पर भी पीरियड्स साइकिल पर असर पड़ सकता है। या फिर पीरियड्स क्रैम्प्स बढ़ सकती है। शरीर में विटामिन्स और मिनरल्स की कमी होने पर इसका असर पीरियड पेन और फ्लो पर भी होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे विटामिन के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी शरीर में कमी होने पर आपकी पीरियड साइकिल अनियमित हो सकती है।

विटामिन-डी की कमी

शरीर में विटामिन डी की कमी होने पर आपके पीरियड्स अनियंत्रित हो सकते हैं। क्योंकि विटामिन-डी 3 शरीर की इंसुलिन रिलीज करने की क्षमता को बढ़ा सकता है। इससे ब्लड शुगर लेवल रेगुलेट होने में सहायता मिलती है। बता दें कि इस विटामिन का सही लेवल ओवरियन फॉल्क्यूल के मैच्योर होने के लिए जरूरी होता है। क्योंकि इस विटामिन की कमी ओव्युलेशन पर भी असर डालती है। वहीं इसका लेवल सही होने पर ओव्युलेशन को हेल्दी बनाकर पीरियड्स को समय पर आने में सहायता करता है।

हार्मोन्स को बैलेंस करने के लिए विटामिन डी 3 बेहद जरूरी होता है। यह बॉडी में एंड्रोजन यानी कि एक्स्ट्रा मेल हार्मोन को कम करती है। वहीं इस हार्मोन के बढ़ने पर हेयर लॉस, एक्ने और अनियमित पीरियड्स की समस्या हो सकती है। एंड्रोकाइन सिस्टम को रेगुलेट करने में भी विटामिन डी अहम भूमिका निभाता है। यह हार्मोन प्रोडक्शन के लिए जरूरी होता है। ओवरीज और यूट्रस में विटामिन-डी रिसेप्टर और हार्मोन प्रोडक्शन को रेगुलेट करने में और मेंस्ट्रुअल साइकिल को हेल्दी बनाने में सहायता करता है। शरीर में विटामिन डी की कमी होने पर एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के बैलेंस पर असर होता है और इससे पीरियड्स भी अनियमित होते हैं। इस विटामिन की कमी से इंसुलिन सेंसिटिविटी पर असर पड़ता है। जिसकी वजह से पीसीओएस की समस्या बढ़ सकती है और पीरियड्स अनियमित होते हैं। वहीं इसका असर फर्टिलिटी पर भी पड़ता है। विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए आप अपनी डाइट में मिल्क प्रोडक्ट, अंडे, फैटी फिश और सोया प्रोडक्ट्स को शामिल करें। वहीं आप डॉक्टर की सलाह पर विटामिन डी सप्लीमेंट्स भी ले सकती हैं।

पर्यटन

फरवरी में खुल गया है राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान, जानिए कब और कैसे बुक करें टिकट

"हर साल एक सीमित अवधि के लिए ही राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान आम जनता के लिए खोला जाता है। आज हम आपको अमृत उद्यान पहुंचने और ऑनलाइन टिकट बुक करने के आसान टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।"

अनन्या मिश्रा

हर साल एक सीमित अवधि के लिए ही अमृत उद्यान आम जनता के लिए खोला जाता है। अमृत उद्यान में आपको फूलों की कई प्रजातियां देखने को मिलती हैं। जो साल में सिर्फ एक खास समय पर ही देखने को मिलता है। दिल्ली-एनसीआर में रहने वालों को पता होगा कि यह उद्यान साल में सिर्फ 2 बार खोला जाता है। एक बार यह उद्यान फरवरी से मार्च में खुलता है और फिर अगस्त में खोला जाता है। पिछले साल की तरह इस साल भी 02 फरवरी 2025 से अमृत उद्यान पर्यटकों के लिए खोला गया है। ऐसे में आप 03 मार्च तक यहां पर घूमने के लिए आ सकते हैं। अगर आप भी रंग-बिरंगे फूलों और हरे-भरे वातावरण का नजारा देखना पसंद करते हैं, तो आपको इस उद्यान के बंद होने से पहले यहां जरूर घूमने के लिए आना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अमृत उद्यान पहुंचने और ऑनलाइन टिकट बुक करने के आसान टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

अमृत उद्यान खुलने का समय

बता दें कि आप अमृत उद्यान में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक घूम सकते हैं। लेकिन शाम को लास्ट एंट्री 05:15 मिनट पर होती है। अगर आप इसके बाद आते हैं, तो फिर आप अमृत उद्यान नहीं घूम पाएंगे। क्योंकि शाम को 6 बजे सभी यात्रियों को उद्यान से बाहर जाना पड़ता है। वहीं उद्यान भी काफी बड़ा है और अगर आप यहां आ रहे हैं, तो आप थोड़ा समय लेकर आएं। यह पार्क सप्ताह में 6 दिन खुला रहता है और सोमवार के दिन यह उद्यान आम लोगों के लिए बंद रहता है। अगर आप अमृत उद्यान घूमने के लिए जा रहे हैं, तो आपको नॉर्थ एवेन्यू के पास स्थित राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 35 से एंट्री ले सकते हैं। अमृत उद्यान के पास मेट्रो स्टेशन सेंट्रल सेक्रेटेरियट यानी केंद्रीय सचिवालय है। यहां से पहुंचना आपके लिए आसान होगा, क्योंकि यहां पर शटल सेवा भी मिलती है।

ऑनलाइन टिकट बुकिंग

अमृत उद्यान में घूमने के लिए आपको टिकट के नाम पर एक रुपए भी नहीं खर्च करना पड़ेगा। यहां पर घूमना निशुल्क है और आप इसकी टिकट फ्री में ऑनलाइन आरक्षित कर सकते हैं। आपको टिकट लेने के लिए ऑफिशियल वेबसाइट https://visit.rashtrapatibhavan.gov.in/ पर जाना होगा। फिर इस वेबसाइट पर क्लिक करेंगी तो आपके सामने होम पेज पर Book Your Visit Now का ऑप्शन मिलेगा। इस पर क्लिक करने पर आपके सामने पेज खुलेगा, जिसमें आपसे यात्रा की डेट, समय और यात्रियों की संख्या के बारे में पूछा जाएगा। सभी डिटेल्स पर क्लिक करने के बाद Continue पर क्लिक कर दें। इस तरह से आपकी टिकट बुक हो जाएगी। यह दिल्ली में घूमने वाली अच्छी जगहों में से एक है। आप वीकेंड पर यहां जाने का प्लान बना सकते हैं।

ब्यूटी / फैशन

फ्रंट और बैक हैंड की खूबसूरती बढ़ाएंगी ये यूनिक मेहंदी डिजाइन, तारीफ करते नहीं थकेंगे लोग

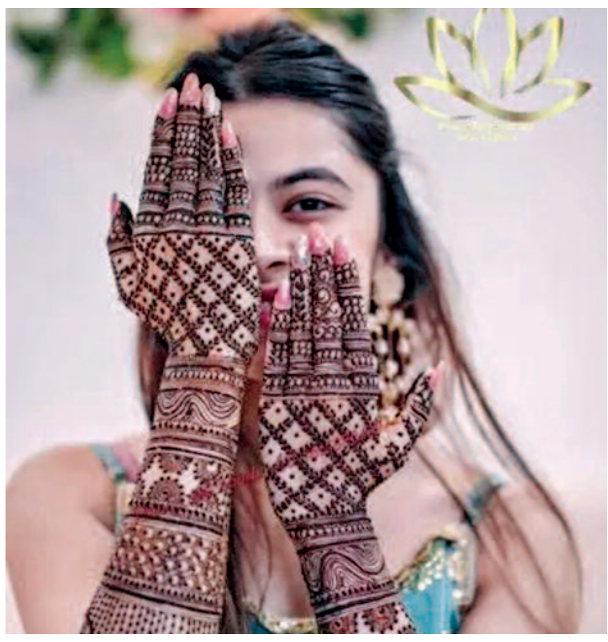

अपने हाथों को सजाने के लिए महिलाएं सबसे सुंदर डिजाइन की तलाश करती हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने हाथों में मेहंदी लगवाने की सोच रही हैं, तो आज हम आपको हाथों पर लगवाने के लिए सुंदर मेहंदी की डिजाइन लेकर आए हैं।

अनन्या मिश्रा

कोई त्योहार हो या फिर किसी के घर में शादी का फंक्शन हो। मेहंदी हमारे हाथों की सुंदरता को बढ़ाने का काम करती हैं। महिलाएं हो या लड़कियां मेहंदी लगवाने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती हैं। अपने हाथों को सजाने के लिए महिलाएं सबसे सुंदर डिजाइन की तलाश करती हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने हाथों में मेहंदी लगवाने की सोच रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हाथों पर लगवाने के लिए सुंदर मेहंदी की डिजाइन लेकर आए हैं।

चेन मेहंदी डिजाइन

बता दें कि आजकल चेन डिजाइन काफी ज्यादा ट्रेंड में है। यह देखने में थोड़ी स्टाइलिश और यूनिक लगती है। आप इस डिजाइन को फ्रंट और बैक हाथ के दोनों तरफ आसानी से लगवा सकती हैं।

अधिकतर यंग जनरेशन की लड़कियां इस तरह का डिजाइन लगाना पसंद करती हैं। वहीं अगर आप कुछ मॉर्डन और सिंपल डिजाइन की मेहंदी लगाना चाहती हैं, तो चेन डिजाइन आपके लिए बेस्ट हो सकती है। आप चेन मेहंदी डिजाइन फुल और शॉर्ट हैंड पर लगवा सकती हैं।

जाल वर्क मेहंदी डिजाइन

अगर आप बैक हैंड में कुछ यूनिक डिजाइन ट्राई करना चाहती हैं, तो आप जाल डिजाइन आसानी से लगा सकती हैं। इस डिजाइन को फ्रंट के साथ-साथ बैक हैंड पर भी लगा सकती हैं। आप बड़े और छोटे फूल के जाल डिजाइन को मिक्स करके कंप्लीट कर सकती हैं। साथ ही आप इस डिजाइन में पत्ती भी बना सकती हैं।

बेल मेहंदी डिजाइन

अगर आप मेहंदी में कुछ सिंपल और जल्दी लगने वाली डिजाइन की तलाश कर रही हैं। तो आप यह बेल डिजाइन लगा सकती हैं। इसके लिए आप हाथ पर छोटे-छोटे रोज को बेल पैटर्न में बनाना होगा। फिर इसको सारी उंगलियों पर भी लगा सकती हैं। वर्टिकल और हॉरिजॉन्टल रोज फूल डिजाइन की चौड़ी बेल आपके हाथों पर काफी सुंदर लगेगी। आप चाहें तो सिर्फ एक-दो उंगलियों पर भी यह डिजाइन बना सकती हैं। वहीं हाथों की सुंदरता को बढ़ाने के लिए आप नेल पेंट जरूर लगाएं।

घरेलू नुस्खे

ब्राउनी बनाते समय ना करें ये छोटी-छोटी गलतियां, बिगड़ जाएगा स्वाद

ब्राउनी बनाते समय आप किस तरह की चॉकलेट का इस्तेमाल कर रही हैं, यह भी बहुत अधिक मायने रखता है। कई बार पेंट्री में मिलने वाली किसी भी चॉकलेट या कोको पाउडर का इस्तेमाल कर लेते हैं। लेकिन इससे ब्राउनी का स्वाद उतना अच्छा नहीं आता है।

मिताली जैन

अक्सर हमारा कुछ मीठा खाने का मन होता है और ऐसे में ब्राउनी बनाना अच्छा विचार है। ब्राउनी बच्चों से लेकर बड़ों तक हर किसी को बेहद पसंद आती है।

अमूमन हम इन्हें बाहर से लाकर खाते हैं, लेकिन अगर आपको बेकिंग करना अच्छा लगता है तो आप ब्राउनी को खुद घर पर भी बना सकते हैं। हालांकि, कई बार ब्राउनी बनाते समय वे सूख जाते हैं या फिर बीच में अजीब तरह से कच्चे हो जाते हैं।

हम सभी ने कभी ना कभी इस स्थिति का सामना किया ही है। ऐसा अमूमन ब्राउनी बनाते समय की जाने वाली कुछ छोटी-छोटी गलतियों की वजह से हो सकता है।

हो सकता है कि आप ब्राउनी बनाते समय बैटर को ज्यादा मिला रहे हों या फिर गलत चॉकलेट का इस्तेमाल कर रहे हों, जिसकी वजह से ब्राउनी का टेस्ट बिगड़ सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ब्राउनी बनाते समय की जाने वाली कुछ छोटी-छोटी गलतियों के बारे में बता रहे हैं-

बैटर को ओवरमिक्स करना

ब्राउनी बनाते समय हम सभी अक्सर बैटर को मिक्स करते हैं, लेकिन इसे ओवरमिक्स करना नुकसानदायक हो सकता है।

जब आप बैटर को ओवरमिक्स करते हैं तो इससे उसमें बहुत ज्यादा हवा मिल जाती है, जिससे केक जैसा टेक्सचर बनता है, जो ब्राउनी के लिए ठीक नहीं है। इसलिए ब्राउनी बनाते समय आप इसे तब तक हिलाएं जब तक कि सामग्री मिल न जाएं।

गलत टाइप की चॉकलेट का उपयोग करना

ब्राउनी बनाते समय आप किस तरह की चॉकलेट का इस्तेमाल कर रही हैं, यह भी बहुत अधिक मायने रखता है। कई बार पेंट्री में मिलने वाली किसी भी चॉकलेट या कोको पाउडर का इस्तेमाल कर लेते हैं। लेकिन इससे ब्राउनी का स्वाद उतना अच्छा नहीं आता है। इसलिए, हमेशा अच्छी क्वालिटी वाली चॉकलेट का इस्तेमाल करें। अगर रेसिपी में किसी खास प्रकार के कोको पाउडर की जरूरत है, तो उसी का उपयोग करें।

बटर या ऑयल का इस्तेमाल ना करना

अक्सर ब्राउनी को हेल्दी बनाने के लिए लोग बटर या ऑयल का इस्तेमाल कम करते हैं। जबकि ऐसा करने से बचना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तो इससे ब्राउनी काफी सूखी-सूखी लग सकती हैं। इसलिए कोशिश करें कि आप रेसिपी को सही ढंग से फॉलो करें।

अगर आपको बदलाव करना ही है, तो सेब की चटनी या ग्रीक दही का इस्तेमाल करें।

आईआईए मोदीनगर से जुड़े उद्यमियों एवं संभावित उद्यमियों के मध्य बैंक द्वारा पीएनबी एमएसएमई आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन किया गया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर/गाजियाबाद। आई आई ए मोदीनगर से जुड़े उद्यमियों एवं संभावित उद्यमियों के मध्य बैंक द्वारा एम एस एम ई के उत्थान हेतु संचालित योजनाओं की जानकारी देने के लिए पंजाब नेशनल बैंक गाजियाबाद क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा पीएनबी एमएसएमई आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन शुक्रवार को नगर के आर एन रिसॉर्ट में किया गया जिसमें पंजाब नेशनल बैंक के जनरल मैनेजर, अजय सिंह, डिप्टी जनरल मैनेजर रविन्द्र खुराना आदि अनेक बड़े बैंक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आई आई ए मोदीनगर के चेयरमैन राज ढींगरा तथा आई आई ए के सी ई सी मेंबर डॉ मुकेश गर्ग तथा गाजियाबाद के उद्यमी शरद गुप्ता ने की। इस अवसर पर पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारियों ने मोदीनगर के उद्यमियों का स्वागत करते हुए उन्हें बैंक द्वारा संचालित विभिन्न ऋण योजनाओं से अवगत कराया तथा आसान ऋण शर्तों के कारण पंजाब नेशनल बैंक से जुड़ने का आह्वान किया।डा पवन सिंहल सहित अनेक उद्यमियों ने भी बैंक से आ रही अनेक कठिनाइयों को बैंक अधिकारियों के समक्ष उठाया जिसके प्रत्युत्तर में जनरल मैनेजर अजय सिंह ने सभी कठिनाइयों का प्राथमिकता से निस्तारण किए जाने का आश्वासन उद्यमियों को दिया। इस कार्यक्रम में बृज मोहन कपूर, राकेश कंसल, पंकज जैन, अंकित भटनागर, हिमांशु अग्रवाल, संजीव माहेश्वरी, मनोज माहेश्वरी, शशि भूषण, संदीप गुप्ता, योगेन्द्र अग्रवाल, विपिन चौधरी, अजय सिंह, अशोक मिश्रा, विशाल गोयल, राजेश मित्तल, विनोद अग्रवाल, अजय गुप्ता, प्रमोद गर्ग, परवीन गुप्ता, भूपेंद्र गोयल, प्रशांत ढींगरा एवं मंजीत कश्यप सहित सैकड़ों उद्यमी उपस्थित थे।

नवनियुक्त रालोद जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी का चित्तौड़ा गांव में किया गया जोरदार स्वागत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुरादनगर। गांव चित्तौड़ा में राष्ट्रीय लोक दल के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी का चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी के आवास पर भव्य स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में में सबसे पहले जिला अध्यक्ष रामपाल सिंह व चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद रालोद नेताओं व कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी को माला व पटका पहनाकर अभिनंदन किया।

इस अवसर पर चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रामपाल चौधरी कर्मठ और समर्पित व्यक्ति हैं। वे निश्चित रूप से पार्टी को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी ने कहा कि जिस आशा और विश्वास के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है, उसे वे पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे।

इसके साथ ही वे पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाकर संगठन को सशक्त करने का कार्य करेंगे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय महासचिव बिट्टू खंजरपुर, ऋषिपाल सिंह, इंद्रपाल सिंह (डायरेक्टर), आनंद सिंह, मास्टर योगेंद्र सिंह, समरजीत सिंह, आसिंदर उपाध्याय, मोहित गौतम, नितिन कुमार, राहुल तंवर, विनीत कुमार, भारत सिंह, समीर चौधरी, नवीन कुमार, शेखर सिंह, संसार सिंह, जितेंद्र सिंह, महक सिंह, सुशील कुमार, राम कुमार सिंह, जोगिंदर सिंह, नरेश कुमार, मुकरजीत, उमेश कुमार, संजीव कुमार, ठाकुर गोपीचंद, सोहन पाल सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिलावर सिंह और संचालन प्रदीप मुखिया ने किया।

रालोद के नये जिलाध्यक्ष बने रामपाल चौधरी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। रालोद में लंबे समय से संगठन परिवर्तन की आवाजें उठ रही थी, उसी के तहत शुक्रवार को पार्टी नेतृत्व ने जिलाध्यक्ष अमित त्यागी सरना को पदमुक्त करते हुए गाजियाबाद का नया जिलाध्यक्ष मोदीनगर के रामपाल चौधरी को बनाया है। रामपाल चौधरी निरंतर पार्टी की गतिविधियों में शामिल रहे हैं और उन्हें नवीन जिम्मेदारी के रूप में गाजियाबाद का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। बता दें कि वर्ष-2023 में अमित त्यागी सरना को रालोद का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया था। अमित त्यागी सरना के जिलाध्यक्ष बनने के बाद लोकसभा चुनाव और नगर निगम सहित सदर सीट पर उप चुनाव सम्पन्न हुए। पिछले लंबे समय से पार्टी में संगठन परिवर्तन की बातें चल रही थी और इसी के तहत शुक्रवार को पार्टी ने अमित त्यागी सरना को पदमुक्त करते हुए रामपाल चौधरी को गाजियाबाद रालोद का नया जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। रामपाल चौधरी ने कहा है कि उन्हें पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उसका निर्वाहन वह पूरी ईमानदारी के साथ करेंगे और जनपद गाजियाबाद में पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे।

दिल्ली पब्लिक स्कूल में दान कार्यक्रम का आयोजन

सहयोग की भावना–जरूरतमंदों के लिए एक पहल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। दिल्ली पब्लिक स्कूल, मोदीनगर में शुक्रवार को 'ऐम्पेथी ड्राइव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत जरूरतमंदों की सहायता के लिए एक विशेष दान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के वंचित वर्ग को आवश्यक संसाधन प्रदान कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना था। इस अवसर पर लक्ष्य फाउंडेशन की संस्थापिका नीलू रॉय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरमैन डॉ. विक्रम गांधी, ट्रस्टी अनिशा गांधी और प्रधानाचार्य एन. सिंह ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस आयोजन के अंतर्गत जरूरतमंद बच्चों को कपड़े, कंबल और आवश्यक वस्त्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय के चेयरमैन डॉ. विक्रम गांधी ने अपने संबोधन में कहा,समाज की सच्ची प्रगति तब होती है जब हम जरूरतमंदों के दुख-दर्द को समझकर उनकी सहायता के लिए आगे बढ़ते हैं। विद्यालय की ट्रस्टी अनिशा गांधी ने कहा, दान केवल जरूरतमंदों की सहायता नहीं, बल्कि समाज में आपसी सहयोग और करुणा की भावना को मजबूत करने का एक प्रयास है। प्रधानाचार्य एन. सिंह ने कहा,हर व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार है। यदि हम किसी की छोटी-सी मदद भी कर सकते हैं, तो यह हमारे मानवीय कर्तव्यों में से एक है। मुख्य अतिथि नीलू रॉय ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा, जरूरतमंदों की सहायता करना न केवल उनका हक है, बल्कि हमारी जिम्मेदारी भी है। यह प्रयास समाज को और अधिक संवेदनशील व सशक्त बनाएगा। विद्यालय प्रशासन ने इस कार्यक्रम को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने संकल्प लिया कि उनके द्वारा आगे भी इस प्रकार के दान और सहायता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि जरूरतमंदों को सहायता मिलती रहे और समाज में सहयोग की भावना बनी रहे।

पांच दिवसीय टैक्सटाइल वीविंग कार्यशाला का हुआ समापन

मोदीनगर। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज मोदीनगर में संचालित स्ववितपोषित पाठ्यक्रम के गृह विज्ञान विभाग में चल रही पांच दिवसीय टैक्सटाइल वीविंग कार्यशाला का अंतिम दिवस संपन्न किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. पूनम शर्मा ने कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न होने की बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की शिक्षिका राखी शर्मा द्वारा किया गया ।इस कार्यशाला के लिए हापुड़ से बुनकर विशेषज्ञ फूल सिंह एवं मेरठ से श्री शोएब अंसारी, टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरर (बुनाई विशेषज्ञ)को आमंत्रित किया गया था जिन्होंने एमएससी टैक्सटाइल एंड क्लॉथिंग की छात्राओं को विभिन्न प्रकार की बुनाई लूम पर बनानी सिखाई जैसे प्लेन वीव, ट्विल वीव, बास्केट वीव, सेटिन वीव, रिब वीव इत्यादि। छात्राओं ने इस कार्यशाला में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं बुनाई के बहुत सारे नमूने तैयार किये। कार्यशाला के अंतिम दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. अंजली सिंह, गृह विज्ञान विभाग, वीएमएलजी कॉलेज गाजियाबाद, उपस्थिति रहीं। उन्होंने छात्रों को बताया कि वस्त्र निर्माण कच्चे रेशों से कपड़े बनाने की प्रक्रिया है जिसमें डिजाइनिंग, सिलाई, बुनाई अन्य कई प्रक्रियाएं शामिल हैं।उन्होंने यह भी कहा की हतकरघा हमारे पारंपरिक कौशल को संरक्षित रखता है। कार्यक्रम संयोजिका राखी शर्मा ने मुख्य अतिथि प्रो. अंजली सिंह, महाविद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका डॉ राखी मित्तल एवं टैक्सटाइल एंड क्लॉथिंग की विभागाध्यक्षा डॉ मीनू अग्रवाल का हृदय से आभार प्रकट किया जिन्होंने कार्यशाला को सफल बनाने में विशेष योगदान दिया।

चौधरी अजीत सिंह की 86वीं जयंती मनाई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। चितौड़ा गांव में चेयरमैन अमरजीत सिंह बिडडी के आवास पर श्रद्धेय चौधरी अजीत सिंह जी की 86वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। आज गांव चितौड़ा में चेयरमैन अमरजीत सिंह बिडडी के आवास पर पूर्व केंद्रीय मंत्री, किसान कमेरों की बुलंद आवाज, श्रद्धेय चौधरी अजीत सिंह जी की 86वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई और हवन यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने आहुति डालकर किसान मसीहा को नमन किया। इसके पश्चात चौधरी अजीत सिंह जी के जीवन और उपलब्धियों पर चर्चा की गई, जहां सभी ने उनके द्वारा किए गए ऐतिहासिक कार्यों को स्मरण किया।इस अवसर पर चेयरमैन अमरजीत सिंह बिडडी ने कहा, श्रद्धेय चौधरी अजीत सिंह जी ने हमेशा किसानों, मजदूरों और कमेरों की आवाज को बुलंद किया। वे सात बार लोकसभा सांसद, एक बार राज्यसभा सदस्य और चार बार केंद्रीय कैबिनेट मंत्री रहे। जब भी उन्हें सत्ता मिली, उन्होंने किसानों के हक में नीतियाँ बनाईं और क्रांतिकारी निर्णय लिए एडवोकेट अजयवीर चौधरी ने कहा कि जब चौधरी अजीत सिंह जी उद्योग मंत्री थे, तब उन्होंने देशभर में 44 नई चीनी मिलें स्थापित कराईं और मिल की दूरी 25 किलोमीटर से घटाकर 15 किलोमीटर करवाई, जिससे गन्ना किसानों को सीधा लाभ हुआ और उनकी आय में वृद्धि हुई। क्षेत्रीय महासचिव अरुण चौधरी भुल्लन ने कहा वे केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि किसानों के सच्चे मसीहा, कुशल प्रशासक और समाजसेवी थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन किसानों, मजदूरों और गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया।कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने चौधरी अजीत सिंह के सिद्धांतों पर चलने और किसानों के हित में कार्य करने का संकल्प लिया। उनकी दूरदृष्टि और नीतियाँ आज भी प्रासंगिक हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेंगी।इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट अजय वीर चौधरी क्षेत्रीय महासचिव अरुण चौधरी भुल्लन' जिला उपाध्यक्ष प्रदीप मुखिया' दिलावर सिंह' डायरेक्टर इंद्रपाल सिंह' ऋषिपाल सिंह' आनंद सिंह' हरेंद्र फौजी' विजयपाल सिंह' पवन कुमार' राजीव कुमार' दया वीर सिंह' राजवीर सिंह' सुशील सिंह' सोनपाल सिंह' मास्टर योगेंद्र सिंह' समरजीत सिंह' महक सिंह' जोगिंदर सिंह' रामकुमार सिंह' एडवोकेट गौरव प्रताप सिंह' एडवोकेट सौरभ प्रताप सिंह' गोपी ठाकुर' विशाल सिंह' बलवान सिंह' विक्रम सिंह' जगपाल सिंह' जगत सिंह' संजीव आदि इस अवसर पर उपस्थित रहे।

काव्य गरिमा सृजन सम्मान से नवाजे जाएंगे डॉ. एससी अग्रवाल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। काव्य गरिमा हिंदी साहित्य मंच दिल्ली की ओर से जनपद से मोदी कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल को काव्य गरिमा सृजन सम्मान से नवाजा जाएगा । गांधी शांति प्रतिष्ठान नई दिल्ली में 16 फरवरी को काव्य गरिमा हिंदी साहित्य मंच के प्रथम वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में आयोजित सम्मान समारोह में डॉ अग्रवाल को सम्मानित किया जाएगा। इस सांस्कृतिक एवं साहित्यिक समारोह में डॉक्टर अग्रवाल काव्य पाठ भी करेंगे। इस समारोह में हिंदी साहित्य मंच ने देश-विदेश से शिक्षा ,साहित्य ,कला, नृत्य संगीत, रक्तदान ,पत्रकारिता ज्योतिष ,समाज सेवा, पर्यावरण कृषि, खेलकूद मीडिया, मानवाधिकार, महिला एवं बाल अधिकार, शैक्षिक साहित्यिक एवं सामाजिक सांस्कृतिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लगभग 100 मनीषियों को सम्मानित किया जाएगा।

तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित

मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति चेक प्रदान किए गए

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवं एप्टीट्यूड टेस्ट (योग्यता परीक्षण)का आयोजन किया गया । विद्यालय के प्रबंधक विनोद कुमार माहेश्वरी विद्यालय में, इस तरह के कार्यक्रम आयोजित कराते रहते हैं। कक्षा प्री- नर्सरी से कक्षा द्वितीय तक के सभी विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर भाग लिया। छोटे- छोटे बच्चों की, विभिन्न प्रकार की वेश-भूषा ,सभी को अपनी ओर आकर्षित कर रही थी। अभिभावकों की करतल ध्वनि से ,विद्यालय प्रांगण गुंजायमान हो उठा। निर्णायक का कार्यभार सुमन शर्मा एवं भगवती जोशी ने संभाला। कक्षा फर्स्ट बी की वैष्णवी भारद्वाज ने प्रथम स्थान, कक्षा फर्स्ट ए के देव ने द्वितीय स्थान तथा सेकंड बी की अक्षिता मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। योग्यता परीक्षण में अन्य विद्यालयों ने भी भाग लिया। इस टेस्ट में कक्षा तीसरी से लेकर पांचवी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कक्षा पांचवी सी से अश्मित एवं आरुष ने प्रथम स्थान, कक्षा पांचवी सी से आराध्या ने द्वितीय स्थान ,कक्षा पांचवी ए से कनिका गर्ग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।कक्षा दसवीं में 90 प्रतिशत से अधिक प्राप्त करने पर प्रबंधक विनोद कुमार माहेश्वरी द्वारा वंशिका चौधरी , इशिका गर्ग , अभय , अनन्या जिंदल, युक्ति बंसल नित्या अग्रवाल ,युवरा व तान्या को छात्रवृत्ति के रूप में रुपए 5000 के चेक प्रदान किए गए।विद्यालय के प्रबंधक विनोद कुमार माहेश्वरी ने, सभी विजेता छात्र-छात्राओं को बधाई प्रेषित की। गौरव माहेश्वरी एवं राधिका माहेश्वरी ने, उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय की प्रधानाचार्या रजनी ओहरी ने, सभी छोटे -छोटे बच्चों की प्रशंसा करते हुए, उनको देश का भावी कर्णधार कहते हुए, सभी अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को धन्यवाद दिया।